News सिटी चीफ

वर्ष–15, अंक–107
पृष्ठ–8 मूल्य 2 रूपया

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, सोमवार 22 जुलाई 2024

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सावन के पहले सोमवार की हार्दिक शुभकामनाएं।

आज का विचार

बलवान व्यक्ति की भी बुद्धिमानी इसी में है कि वह जानबूझ कर किसी को शत्रु न बनाए।

सावन में सब हरा-हरा...

सनातन धर्म में साल का सबसे पवित्र महीना श्रावण इस बार भगवान शिव के दिन यानी सोमवार से शुरू हो रहा है। इस पावन मास में श्रद्धालु भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करते हैं। सोमवार यानी आज प्रीति आयुष्मान योग के साथ सर्वार्थ सिद्धि योग भी बन रहा है। खबरों की बात करें तो कुछ ऐसी खबरें सामने आई हैं, जिन्हें पढ़कर आपको लगेगा कि इस देश पर सच में भगवान शिव की कृपा बरस रही है। सावन में सब हरा-हरा है। खबरें हटकर हैं और सकारात्मक भी। ये खबरें देश को एक सही दिशा देती हुई लग रही हैं। साथ ही ये खबरें देश की विशाल क्षमता को भी प्रदर्शित कर रही हैं। ये खबरें देश के सफल अंतरिक्ष मिशन से लेकर भारत भूमि पर किए गए और किए जा रहे बड़े प्रयासों की बानगी हैं।

सिंगल कॉलम

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से जो बाइडन ने नाम वापस लिया

न्यूयॉर्क। जो बाइडन ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव 2024 से अपना नाम वापस ले लिया है। 81 वर्षीय अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन की मानसिक सेहत का जिक्र करते हुए रिपबल्किन खेमे की तरफ से लगातार उनके प्रत्याशी बने रहने पर सवाल खड़े किए जा रहे थे। इसी बीच रविवार देर रात आई खबर के मुताबिक बाइडन ने अपना अभियान समाप्त करने का ऐलान किया। जो बाइडेन ने राष्ट्रपति पद की रेस के लिए अपना नाम पीछे करते हुए कमला हैरिस के नाम का प्रस्ताव रखा है। बाइडेन ने सोशल मीडिया पर लिखा, मेरे साथी डेमोक्रेट, मैंने नामांकन वापस लेने और अपने शेष कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति के रूप में अपने कर्तव्यों पर अपनी सारी ऊर्जा केंद्रित करने का फैसला किया है। 2020 में पार्टी के उम्मीदवार के रूप में मेरा पहला निर्णय कमला हैरिस को उपराष्ट्रपति के रूप में चुनना था। और यह मेरा सबसे अच्छा निर्णय रहा। आज मैं कमला को इस वर्ष हमारी पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने के लिए अपना पूर्ण समर्थन और समर्थन देना चाहता हूं।

रामनिवास रावत को 14 दिन बाद विभाग आवंटित, वन एवं पर्यावरण संभालेंगे

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री रामनिवास रावत को मंत्री बनने के 14 दिन बाद रविवार को विभाग का आवंटन कर दिया गया। उनको वन एवं पर्यावरण विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। रावत कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं। 8 जुलाई को उनके कैबिनेट मंत्री पद की शपथ लेने के बाद भी विभाग का आवंटन नहीं किया गया था। अभी तक वन व पर्यावरा विभाग नागर सिंह चौहान संभाल रहे थे। नागर सिंह चौहान के पास अब तीन में से एक अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग ही बचा है। इसे कैबिनेट में उनके कद घटने के रूप में देखा जा रहा है। वहीं, राज्य सरकार ने रविवार को मंत्रिमंडल में इस बदलाव की अधिसूचना भी जारी कर दी। बता दें, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हाल ही में दिल्ली दौरे पर केंद्रीय गृहमंत्री और वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की थी। वहां से हरि झंडी मिलने के बाद रावत को विभाग का आवंटन कर दिया गया। लोकसभा चुनाव के दौरान श्योपुर जिले की विजयपुर सीट से विधायक रामनिवास रावत कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। छह बार के विधायक रावत इससे पहले भी कई विभागों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। रावत को मंत्री पद की राज्यपाल को दो बार शपथ दिलाना पड़ी थी। पहले उन्होंने राज्यमंत्री बतौर शपथ ली, बाद में पता चला तो उन्होंने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली थी।

निजी जमीन पर सड़क बनाने का किया विरोध तो दबंगों ने दी तालीबानी सजा

दो महिलाओं को जिंदा गाड़ दिया

रीवा। रीवा में निजी जमीनी पर सड़क बनाने का विरोध करने पर दबंगों ने दो महिलाओं को जिंदा दफन कर दिया। समय रहते आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े और दोनों को अंदर से निकाला। दरअसल, दोनों को मोरंग डालकर जमीन के अंदर दफन कर दिया गया था। बाहर निकाले जाने तक दोनों की हालत बिगड़ गई थी। लोगों ने बताया कि अगर जमीन के अंदर से दोनों महिलाओं को बाहर निकालने में थोड़ी सी भी देर होती तो उनकी जान जा सकती थी। जमीन के अंदर से बाहर निकलने के बाद दोनों बदहवास हो गई थी। दोनों को पहले डॉक्टर के पास ले जाया गया। उसके बाद मामले की शिकायत थाने में दर्ज कराई गई। महिलाओं को जमीन में गाड़ने की घटना जिले के मनगवां थाना क्षेत्र के गगेव चौकी अंतर्गत हिनौता जोरौट गांव की है। यहां कुछ दबंग किस्म के लोग निजी जमीन पर जबरन सड़क बन रहे थे। निर्माण कार्य में एक जेसीबी और दो हाइवा लगाए गए थे और निजी जमीन पर मोरंग डाली जा रही थी। ममता पांडेय और आशा पांडेय ने इसी बात का विरोध करना शुरू कर दिया। दोनों महिलाएं सड़क निर्माण स्थल पर खड़ी थीं और निजी जमीन पर सड़क बनाने का विरोध कर रही थीं। तभी डम्फर चालक ने मोरंग से भरी ट्रॉली इन महिलाओं के ऊपर खोल दी और महिलाएं उसके नीचे दब गई। आनन फानन में आसपास मौजूद लोगो ने महिलाओं को मोरंग के अंदर से बाहर निकाला और इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गंगेव लेकर गए। महिलाओं को प्राथमिक उपचार देकर छोड़ दिया गया अब इनकी हालत खतरे से बाहर है।

पारिवारिक विवाद से जुड़ा मामला

जो जानकारी सामने आई है, उसके मुताबिक मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा है। आशा पांडेय और उनकी देवरानी ममता पांडेय का अपने ससुर गौकरण पांडेय से जमीन को लेकर विवाद है। इस जमीन पर से गौकरण पांडे रास्ता निकालना चाहते हैं, और आशा पांडेय का परिवार इसका विरोध कर रहा है। पुलिस की मानें तो दोपहर करीब 2 बजे गौकरण पांडेय और देवर विपिन पांडेय विवादित जमीन पर सड़क बनवाने के लिए हाइवा से मुरम लेकर पहुंचे थे। इसे देख आशा पांडेय अपनी देवरानी ममता पांडेय के साथ जाकर हाइवा क्रमांक एमपी 17 एचएच-3942 के चालक को मुरम गिराने से मना करने लगीं। हाइवा चालक ने दोनों की बात नहीं सुनीं। विरोध स्वरूप ममता और आशा मुरम गिरने वाली जगह पर बैठ गईं ताकि मुरम न गिराई जा सके। पर डंपर चालक को इसकी भनक नहीं लगी और वो उसने हाइवा की ट्रॉली उठाकर मुरम खाली कर दी और पीछे बैठी दोनों महिलाएं दब गईं।

एक आरोपी गिरफ्तार दो की तलाश

एडीजी लॉ एंड ऑर्डर जयदीप प्रसाद ने बताया कि रीवा जिले के मनगंवा थाने के ग्राम हिनोता कोठार में एक पारिवारिक जमीन विवाद में दो महिलाओं आशा पांडे और ममता पांडे पर मुरम गिरी थी। ये परिवार पांडे परिवार है। इसमें कोई दलित/आदिवासी महिला नहीं थीं। पुलिस द्वारा प्रकरण दर्ज कर डंपर जब्त किया गया है। एक आरोपी विपिन पांडे पुलिस की गिरफ्त में है। अन्य दो आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा।

सीएम ने दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश

रीवा में महिलाओं को मुरुम डालकर जिंदा दफनाने के मामले में संज्ञान लेकर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि रीवा जिले में महिलाओं के खिलाफ अपराध का मामला संज्ञान में आया है, जिसमें मैंने जिला प्रशासन एवं पुलिस को तत्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए है।

कांग्रेस हुई हमलावर

मामले में कांग्रेस हमलावर हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि रीवा जिंले की इस घटना ने एक बार फिर भाजपा शासन की महिला सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठाए हैं! वैसे भी मध्य प्रदेश महिलाओं पर अत्याचार में पहले नंबर पर है! सीएम मोहन यादवजी, रीवा के मनगवां की इन बहनों को मुरम में दबाया गया और उनकी जान लेने की कोशिश की गई!

इंदौर में सीएम मोहन यादव ने की घोषणा

शिक्षक दिवस की तरह हर साल मनाया जाएगा गुरु पूर्णिमा पर्व

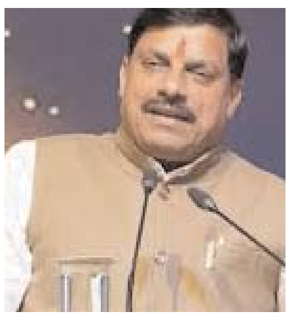

इंदौर। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को इंदौर आए। देवी अहिल्या विवि में आयोजित कार्यक्रम में सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कुलपति को कुलगुरु कहने की नींव इंदौर में ही पड़ी। तब मैं उच्च शिक्षा मंत्री के रूप में इंदौर आया था। गुरु जीवन में प्रकाश फैलाते हैं, इसलिए कुलपति को कुलगुरु कहने का प्रस्ताव बनाया। सरकार ने कुलपति के नाम बदलकर कुलगुरु किए हैं। उसी भाव को लाने के लिए गुरु पूर्णिमा पर्व पूरे प्रदेश में मनाया जा रहा है। शिक्षक दिवस, गुड़ी पड़वा की तरह गुरु पूर्णिमा पर्व भी पूरे प्रदेश में हर साल मनाया जाएगा। उन्होंने सांदीपनि के उदाहरण को समझाया। कहा कि यम जाति के लोगों ने उन्हें अपने बच्चों की शिक्षा के लिए पकड़ लिया था। वे कंस से परेशान होकर तीर्थाटन पर निकले थे। तब गुजरात के जामनगर के लोगों ने उन्हें रोक लिया। वहां हथियारबंद लोग हुआ करते थे। शिक्षा से उनका नाता नहीं था, इसलिए उन्होंने गुरु सांदीपनि को वहीं रोकने की कोशिश की। कहा कि हमारे बच्चों को शिक्षा दो। उन्होंने उदाहरण देते हुए समझाया जैसे हमारे देश का कोई परमाणु वैज्ञानिक पाकिस्तान की बॉर्डर से निकले तो पाकिस्तान के लोग पकड़ लेंगे। ठीक इसी तरह गुरु सांदीपनि को जाम नगर के लोगों ने पकड़ लिया। लेकिन सांदीपनि ने इनकार किया तो उनके बेटे को पकड़ लिया। इसके बाद सांदीपनि उज्जैन आए।

रविवार को इंदौर दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने रामचंद्र नगर में अपना काफिला रुकवाकर सड़क किनारे भुट्टे का ठेला लगाने वाली बुजुर्ग महिला से के पास पहुंचे। बुजुर्ग महिला से चर्चा कर सरकारी योजनाओं की जानकारी ली और भुट्टे खाए। इस दौरान सीएम यादव ने अधिकारियो को महिला का पता नोट करने व सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिये

दुकानदारों के नाम बताने वाला मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। यूपी सरकार के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है जिसमें राज्य सरकार ने यूपी में कांवड़ यात्रा के दौरान दुकानों के मालिकों को अपने नाम लिखने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में सोमवार को सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट में एनजीओ असोसिएशन ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स की ओर से अर्जी दाखिल कर यूपी सरकार के हाल के फैसले को चुनौती दी गई है। यूपी में कांवड यात्रा के दौरान दुकानदारों को अपने नाम डिस्प्ले करने के लिए कहा गया है। इसके बाद इस मामले में सियायत पहले से गर्म है और इसी बीच सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर इस फैसले को चुनौती दी गई है। मामले में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस ऋषिकेश राय और जस्टिस एसवीएन भाटी केस की सुनवाई करेंगे। यूपी सरकार ने 19 जुलाई को फैसला किया था कि जितने भी दुकानदार हैं खासकर खाद्य पदार्थ और पेय पदार्थ बेचने वाले दुकानदार हैं उन्हें कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ रूट पर दुकानों में दुकान के मालिकों का नाम डिस्प्ले करना होगा। कांवड़ यात्रा की रूट पर दुकानकारों को दुकान के सामने मालिक को अपने नाम डिस्प्ले करना होगा। यूपी सरकार ने कहा है कि यह फैसला कानून व व्यवस्था के हित में लिया गया है। इस फैसले के बाद राजनीतिक दलों ने इस फैसले पर प्रतिक्रिया दी है और कहा है कि यह सब भेदभाव को बढ़ावा देगा। यूपी सरकार के फैसले के बाद मध्य प्रदेश में भी इसी से मिलता जुलता फैसला लिया गया है। अब सुप्रीम कोर्ट में इस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सोमवार को सुनवाई होने जा रही है।

सर्वदलीय बैठक के बीच ही ट्वीट करते रहे जयराम रमेश

नई दिल्ली। भाजपा ने सर्वदलीय बैठक के दौरान मुद्दों को सोशल मीडिया पर साझा करने के लिए कांग्रेस नेता जयराम रमेश की आलोचना की है। सत्ताधारी दल ने आरोप लगाया कि मीटिंग में विभिन्न दलों की ओर से उठाए गए मुद्दों को जयराम ने उसी वक्त एक्स पर शेयर कर दिया। साथ ही, कहा गया कि विपक्षी पार्टी को अगली बार ऐसी बैठक में किसी अधिक अनुभवी नेता को भेजने पर विचार करना चाहिए। मीटिंग में शामिल जयराम रमेश ने दावा किया था कि संसद सत्र से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में जनता दल (यूनाइटेड) और वाईएसआर कांग्रेस ने क्रमशः बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की। मगर, अजीब बात यह रही कि तेलुगू देशम पार्टी इस मामले पर चुप रही।

जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट में कहा, ह्यरक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आज सदन के नेताओं की सर्वदलीय बैठक में जद (यू) नेता ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की। वाईएसआर कांग्रेस नेता ने आंध्र प्रदेश के लिए विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की। अजीब बात रही कि तेदेपा नेता इस मामले पर

चुप रहे ह्ल कांग्रेस नेता की सोशल मीडिया पर यह पोस्ट तब आई जब बैठक चल ही रही थी।

सर्वदलीय मीटिंग को लेकर होता है प्रोटोकॉल

भाजपा के सूचना व प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि इन सर्वदलीय बैठकों से जुड़े लोगों का एक खास औचित्य और प्रोटोकॉल होता है। उन्होंने कहा, मीडिया ब्रीफिंग के बाद विचारों का स्वतंत्र और स्पष्ट आदान-प्रदान होता है। लेकिन जयराम रमेश की टाइमलाइन पर नजर डालें तो ऐसा लगता है कि वह कार्यवाही को लाइव पोस्ट कर रहे थे। मालवीय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ह्यअगली बार कांग्रेस को इन बैठकों के लिए किसी अधिक अनुभवी नेता को भेजने पर विचार करना चाहिए।

लंबे समय से विशेष राज्य के दर्जे की मांग

जयराम रमेश के पोस्ट का राजनीतिक मकसद यह था कि बैठक में शामिल सरकार के 2 सहयोगी दलों की मांगों को सामने लाया जाए और सरकार को घेरा जाए। जदयू और तेदेपा भाजपा की सहयोगी हैं और दोनों अपने राज्यों के लिए विशेष दर्जे की मांग लंबे समय से करती रही हैं। यह ऐसा मुद्दा है जो केंद्र सरकार के लिए भी मुश्किलें पैदा कर सकता है। अधिकारियों का कहना है कि सरकार की ओर से वित्त आयोग की स्वीकार की गई सिफारिश विशेष दर्जे की संभावना को खारिज करती है। कांग्रेस नेता ने भाजपा की एक अन्य सहयोगी पार्टी टीडीपी पर भी निशाना साधा।

सिंगल कॉलम

इंदौर में पौधारोपण का बना कीर्तिमान, लेकिन पुराने पेड़ों को बचाने में नाकाम

इंदौर। जिले में वर्षाकाल में 51 लाख पौधे लगाए जाएंगे। इसी कड़ी में गत दिनों एक दिन में 11 लाख पौधे लगाने का कीर्तिमान भी बनाया जा चुका है। दूसरी तरफ शहर में विकास कार्यों के लिए पेड़ों की कटाई और ट्रांसप्लांट का काम जारी है। गत वर्ष शहर के प्रमुख चौराहों पर फ्लाईओवर निर्माण के लिए हजारों पेड़ों को ट्रांसप्लांट किया गया था। दावा था कि सभी पेड़ जीवित रहेंगे, लेकिन अधिकांश पेड़ सूख चुके हैं। अब मेट्रो के लिए फिर से पेड़ों को ट्रांसप्लांट किया जाएगा। रोबोट चौराहे पर दो दिन से पेड़ों की छंटनी की जा रही है। शहर में खजराना, भंवरकुआं, लवकुश और फूटी कोठी चौराहों पर बन रहे फ्लाईओवर के लिए गत वर्ष करीब ढाई हजार पेड़ों को ट्रांसप्लांट किया गया था। यह पेड़ सुपर कारिडोर, अटल बिहारी वाणिज्य एवं कला महाविद्यालय परिसर आदि स्थानों पर ट्रांसप्लांट किए गए थे। इसके लिए इंदौर विकास प्राधिकरण ने एजेंसी की थी और पूरी प्रक्रिया अपनाकर पेड़ ट्रांसप्लांट किए थे। देखरेख के अभाव में सुपर कारिडोर और अटल बिहारी वाणिज्य एवं कला महाविद्यालय परिसर के अधिकांश पेड़ सूख चुके हैं। ट्रांसप्लांट के बाद ठेकेदार की जिम्मेदारी थी कि वह पेड़ों की देखरेख भी करेंगे, लेकिन उचित देखभाल नहीं होने से पेड़ सूख गए। अटल बिहारी वाणिज्य एवं कला महाविद्यालय परिसर में ट्रांसप्लांट किए गए कई सूखे पेड़ों के तनों को उखाड़ दिया गया। ठेकेदार द्वारा ही यह कार्य किया गया। बावजूद अभी भी सूखे पड़े खड़े हैं। यह पेड़ भंवरकुआ चौराहे से ट्रांसप्लांट किए गए थे। यही हाल अन्य स्थानों पर है। धीरे-धीरे पेड़ों के तनों को हटाया जा रहा है। रिटायर डिप्टी कंजरवेटर अशोक खराटे ने बताया कि, इंदौर में ट्रांसप्लांट करने का तरीका चुनिंदा लोगों को ही पता है। बिना तकनीक के पेड़ों को ट्रांसप्लांट किया जा रहा है। ट्रांसप्लांट करने वालों को रूट सिस्टम तक की जानकारी नहीं है। इस वजह से पेड़ों को उचित ट्रीटमेंट नहीं दिया जा रहा है।

सावन मास के पहले सोमवार को आज निकलेगी भगवान महाकाल की पहली सवारी

उज्जैन। ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर से सावन मास में सोमवार को भगवान महाकाल की पहली सवारी निकाली जाएगी। अवंतिकानाथ चांदी की पालकी में मनमहेश रूप में सवार होकर भक्तों को दर्शन देने निकलेंगे। शाम 4 बजे शाही ठाठ-बाट के साथ महाकालेश्वर मंदिर से सवारी की शुरुआत होगी। परंपरा अनुसार दोपहर 3.30 बजे मंदिर के सभा मंडप में कलेक्टर नीरज कुमार सिंह व एसपी प्रदीप शर्मा भगवान महाकाल के मनमहेश रूप का पूजन कर पालकी को नगर भ्रमण के लिए रवाना करेंगे। मंदिर के मुख्य द्वार पर सशस्त्र बल की टुकड़ी राजाधिराज को सलामी देगी। इसके बाद कारवां शिप्रा तट की ओर रवाना होगा। परंपरागत मार्गों से होकर सवारी मोक्षदायिनी शिप्रा के रामघाट पहुंचेगी। यहां पुजारी शिप्रा जल से भगवान महाकाल का अभिषेक कर पूजा-अर्चना करेंगे। पूजन पश्चात सवारी निर्धारित मार्गों से होकर शाम 7.15 बजे महाकाल मंदिर पहुंचेगी। इसके बाद संध्या आरती होगी। सवारी में पहली बार दो एलईडी रथ शामिल किए जा रहे हैं। सुरक्षा के लिए 5 ड्रोन कैमरे से सवारी की निगरानी होगी। 2000 से अधिक पुलिसकर्मी सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे। इधर, ओंकारेश्वर में सावन के पहले सोमवार को भगवान ओंकारेश्वर पालकी में सवार होकर नगर भ्रमण पर निकलेंगे। इस दौरान कोटितीर्थ घाट पर पूजन-अभिषेक होगा। तत्पश्चात भगवान ओंकारेश्वर और ममलेश्वर को नौका विहार करवाया जाएगा।

नौकरी का झांसा- कन्नौद की छात्रा से ठग लिए 9.40 लाख रुपए

देवास। जिले के कन्नौद नगर में रहने वाली एक छात्रा को नौकरी का झांसा देकर तीन आरोपियों ने मिलकर 9.40 लाख रुपये की ठगी कर ली। छात्रा से वादा कृषि विभाग में नौकरी लगवाने का किया गया था, लेकिन बाद में फर्जी नियुक्ति पत्र किसी अन्य विभाग का थमा दिया। इसके बाद छात्रा को ठगे जाने की आशंका हुई। मामले में पुलिस से कई माह पहले शिकायत की गई थी लेकिन आवेदन की जांच के बाद कायमी नहीं हो पाई। इसके बाद सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की गई, जिसके बाद पुलिस ने एक महिला सहित तीन आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी की धारा में केस दो दिन पहले दर्ज किया है। दो आरोपी होशंगाबाद जिले के जबकि एक दिल्ली का निवासी है। जानकारी के अनुसार, अगस्त 2021 में छात्रा के मोबाइल पर संतोष नाम के व्यक्ति का फोन आया था। उसने कहा नौकरी की जरूरत हो तो लगवा देंगे, खर्च आएगा। यह भी कहा कि कृषि विभाग में नौकरी लगवाएंगे, वहां के कार्यालय में हमारी सीधी जान-पहचान है। चूंकि छात्रा को नौकरी की तलाश थी, इसलिए उसने सहमति जता दी। इसके बाद उसके शैक्षणिक व अन्य दस्तावेज आनलाइन मंगवाए गए। अगस्त 2021 से दिसंबर 23 के बीच करीब 8-10 बार में अलग-अलग राशि छात्रा से ऑनलाइन भुगतान के माध्यम से ली गई, जो करीब 9 लाख 40 हजार रुपए थी।

इंदौर में बैंक लूट... तकिए की खोल में छुपा रखे थे एक लाख रुपये और बोलता रहा, रिक्शा वाले ने मुझे लूट लिया

सिटी चीफ इन्दौर

इंदौर की पंजाब नेशनल बैंक में हुई छह लाख 64 हजार रुपये की लूट में पुलिस ने आरोपित बर्खास्त फौजी के घर छापा मारा। पुलिस ने उसके घर से एक लाख रुपये और स्मार्ट टीवी जब्त किया है।

पुलिस ने तलाशी में एक लाख रुपये तकिए की खोल से बरामद किए। इसके साथ ही गोली का खोल और वारदात के समय पहना हुआ मास्क भी जब्त किया है। आरोपित अभी पुलिस रिमांड पर है। विजय नगर टीआई सीबी सिंह के मुताबिक, आरोपित अरुण सिंह गुमराह कर रहा था।

पहले बोल रहा था मेरे साथ लूट हो गई

आरोपित गार्ड ने पहले मैनपुरी में ई-रिक्शा चालक पर रुपये लूटने का आरोप लगाया था। पुलिस ने सख्ती की तो कहा कि रुपये घर में ही छुपाए हैं। पुलिस ने दबिश देकर रुपये जब्त कर लिए।

इसके पूर्व आरोपित की पत्नी प्रीति से तीन लाख रुपये जब्त हुए थे। अरुण से 45 हजार रुपये मिले थे। प्रीति ने लूट के रुपयों में से 50 हजार रुपये का टीवी खरीद लिया था।

बैंक से लूटे रुपये ऐसे मिले

अरुण सिंह ने पीएनबी से 6 लाख 64 हजार रुपये लूटे थे।

अरुण की पत्नी प्रीति ने इससे 50 हजार का टीवी खरीदा था।

पुलिस ने प्रीति के पास से 3 लाख रुपये जब्त किए थे।

अरुण की गिरफ्तारी के वक्त उसके पास से 45 हजार रुपये मिले।

अब पुलिस को वापस घर की तलाशी में एक लाख रुपये मिले।

1 लाख 69 हजार रुपये का क्या किया, पुलिस इसका पता लगा रही है।

नौकरी छूटने के बाद शराब की लत, लोगों से लिया उधार

गार्ड की नौकरी छूटने के बाद अरुण सिंह को शराब की लत लग गई थी। इस दौरान उसे लोगों से रुपये भी उधार ले लिए थे। बेटी के कॉलेज की फीस भी नहीं चुका पा रहा था। पत्नी से इसी बात को लेकर उसका झगड़ा होता रहता था।

इसके बाद उसने लूटपाट करने का प्लान बनाया। 16 जुलाई को सुबह वो रेनकोट पहन और चेहरे को पूरा ढककर स्कीम नंबर 54 में एक वेलरी शॉप के पास पहुंचा। इसी दुकान में पहले वो काम करता था। वेलरी शॉप के पास बैंक को खाली देख वहां घुस गया।

बैंक में घुसने के बाद उसने कर्मचारियों और वहां मौजूद लोगों को डराने के लिए गोली चला दी। एक कर्मचारी से रुपये देने को कहा और बैग में भरकर 6 लाख 64 हजार रुपये ले गया।

पुलिस को गुमराह करने की कोशिश

पुलिस को गुमराह करने के लिए वो पहले बैंक से दूसरी ओर गया फिर अपने घर की तरफ गया। पुलिस ने बैंक के आसपास लगे कैमरे से यह देखा कि वो किस ओर जा रहा है। इसके बाद 1100 से यादा सीसीटीवी कैमरे खंगालते हुए उसके घर तक पहुंच गई।

पुलिस को घर में अरुण सिंह की पत्नी मिली, उसने बताया कि पति घबराया हुआ घर आया और एक बैग ड्रम में रखकर उत्तर प्रदेश चला गया। इसके बाद पुलिस यूपी में अरुण के रिश्तेदारों के घर पहुंची। इस दौरान पता चला कि वो मैनपुरी में अपनी बहन के घर आया था। इसके बाद वो एटा में अपनी मामा के घर पहुंच गया। यहां पहुंचकर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

इंदौर में मत तोड़ना ट्रैफिक रूल्स, शहर के तेरह चौराहों पर काटे जा रहे ऑनलाइन चालान

इंदौर। इंदौर शहर की सड़कों पर अब लोगों की मनमानी पर थोड़ा ब्रेक लगेगा। एकीकृत यातायात प्रबंधन प्रणाली (आईटीएमएस) के तहत शहर में 50 चौराहे हाईटेक किए जाने हैं। इनमें से अब तक 13 चौराहों पर प्रोजेक्ट लाइव हो चुका है।

मतलब अब इन 13 चौराहों पर यातायात का उल्लंघन करने पर ऑनलाइन चालान काटा जाएगा। पिछले साल नवंबर में एलआईजी, स्कीम नं 78 और रसोमा चौराहे पर ऑनलाइन चालान शुरू किए गए थे। यातायात को सुगम और चालानी कार्रवाई को आसान बनाने के लिए साल 2022 में 21 करोड़ रुपये का आईटीएमएस प्रोजेक्ट लांच किया गया था।

चौराहों पर ट्रैफिक रूल तोड़ा, तो हुआ एक्शन

इसके तहत दो चरणों में 50 चौराहों पर हाईटेक कैमरे लगाए जाने थे। इसमें शहर के रेड लाइट जंप, स्पीड वायलेशन डिटेक्शन सिस्टम, वन वे, रांग साइड, बिना हेलमेट और सीट बेल्ट, बाइक पर तीन सवारी समेत कई उल्लंघन करने पर चालान काटे जा रहे हैं।

पिछले साल नवंबर से बीआरटीएस के एलआईजी, स्कीम नं 78 और रसोमा पर चालानी कार्रवाई शुरू हुई थी। वहीं जून से 10 और चौराहों पर ऑनलाइन चालानी कार्रवाई शुरू हो चुकी है।

स्पीड वायलेशन डिटेक्शन सिस्टम भी लगेगा

इसमें बंगाली चौराहा, बांबे हॉस्पिटल चौराहा, होम गार्ड, इंदिरा प्रतिमा, लक्ष्मीबाई, पल्हर नगर, पत्रकार चौराहा, पिपल्याहाना चौराहा, रामचंद्र नगर, टाटा स्टील चौराहा शामिल हैं।

आईटीएमएस प्रोजेक्ट के तहत कुछ चौराहों पर स्पीड वायलेशन डिटेक्शन सिस्टम भी लगाए जाएंगे। इसमें तय स्पीड से ऊपर वाहन चलाने से कैमरा फोटो कैप्चर करके कंट्रोल रूम भेज देगा।

पातालपानी हेरिटेज ट्रेन अगले 4 हफ्तों तक फुल, बुकिंग चालू होते ही लंबी वेटिंग

इंदौर। प्रदेश की इकलौती हेरिटेज ट्रेन चार माह के इंतजार के बाद शुरू हो चुकी है। इस ट्रेन की बुकिंग शुरू होते ही ट्रेन आगामी चार सप्ताह के लिए पूरी तरह से फुल हो गई है। सेकंड क्लास और एसी चयरकार दोनों में ही लंबी वेटिंग चल रही है। रविवार को भी कई लोग वेटिंग टिकट लेकर महू और पातालपानी रेलवे स्टेशन पहुंचे थे, लेकिन उन्हें बैठने तक की जगह नहीं मिली। बता दें कि प्राकृतिक सौंदर्य से भरे इस सफर के लिए पर्यटकों को वर्षाकाल का इंतजार रहता है। यह ट्रेन पातालपानी से कालाकुंड रेलवे स्टेशन तक चलती है, जिसके बीच में होलकरकालीन ब्रिज, झरने, पहाड़ी, सुरंग, नदी आदि मिलते है, जोकि पर्यटकों को आकर्षित करते है। इस सीजन में हेरिटेज ट्रेन के संचालन की घोषणा के बाद शुक्रवार से बुकिंग शुरू हुई थी। शनिवार सुबह तक आगामी चार सप्ताह यानी कि 18 अगस्त के लिए ट्रेन पूरी तरह से फुल हो गई है। दरअसल रेलवे ने इस ट्रेन को प्रतिदिन न चलाकर वीकेंड पर ही शनिवार और रविवार को चला रहा है। जिसके चलते बुकिंग खुलते ही ट्रेन फुल हो जाती है। जबकि गत वर्ष रेलवे ने इस ट्रेन का संचालन सप्ताह में तीन दिन किया था, जिससे वेटिंग काफी कम हो गई थी। वहीं दो विस्टाडोम और तीन सेकंड क्लास के कोच से चल रही इस ट्रेन में अतिरिक्त कोच भी जोड़े गए थे, ताकि वेटिंग को खत्म किया जा सकें। रेल अफसरों ने लगातार बढ़ रही वेटिंग को खत्म करने के लिए जल्द ही अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे। हेरिटेज ट्रेन का संचालन 25 दिसंबर 2018 को शुरू हुआ था। कुछ माह में ही इस ट्रेन ने प्रदेश सहित देशभर में अपनी पहचान बना ली थी। कोरोना काल के चलते अप्रैल 2020 में इस ट्रेन का संचालन बंद कर दिया गया था। 4 अगस्त 2021 को ट्रेन में कई बदलाव कर दोबारा संचालन शुरू किया गया था।

डायबिटिक मरीजों के घाव भरने में सहायक बन रही पेट की चर्बी, जानें कैसे होता है इलाज

इंदौर। एमजीएम मेडिकल कॉलेज के अंतर्गत आने वाले एमवाय अस्पताल के सर्जरी विभाग के डॉक्टरों ने एक ऐसा शोध किया है, जो डायबिटीज की वजह से घाव देरी से भरने की समस्या से जूझ रहे मरीजों के लिए क्रांतिकारी साबित हो सकता है। जिस मरीज के पैरों का घाव डायबिटीज के कारण जल्दी नहीं भर पा रहा है, उसके पेट की चर्बी निकालकर उससे स्टेम सेल अलग किए जाते हैं। बाद में उन स्टेम सेल को शरीर में घाव वाली जगह पर लगाया जाता है। खून की नई नसें तेजी से बनने लगती हैं और घाव जल्दी भरने लगता है। डायबिटीज के कारण अक्सर पैर पर घाव हो जाते हैं, जिन्हें भरने में काफी परेशानी होती है। इसके लिए दवाइयों का उपयोग किया जाता है। किंतु एमवाय अस्पताल के डिपार्टमेंट ऑफ सर्जरी और प्लास्टिक सर्जरी द्वारा शोध किया जा रहा है, जिसमें यह परिणाम सामने आया है। बता दें कि यह शोध डॉ. सचिन वर्मा के मार्गदर्शन में रेजिडेंट डॉ. डेनियल राज कर रहे हैं। डॉक्टरों ने बताया कि शोध के तहत पेट की चर्बी से स्टेम सेल निकालकर मरीज के पांव के घाव पर लगाए गए। इसका परिणाम सुखद रहा। हमने देखा कि जहां दवाइयों को घाव भरने में दस दिन का समय लगता है, वहीं स्टेम सेल से पांच दिन में ही आराम मिलने लगता है। ऐसा इसलिए क्योंकि दवाइयां शुगर नियंत्रण करने का काम करती हैं, जिससे नियंत्रण के बाद घाव भरने लगता है, लेकिन स्टेम सेल निकालकर लगाने से सीधे घाव भरने में मदद मिलती है। हम जब मरीज की चर्बी निकालते हैं, तो वह बड़े-बड़े पार्टिकल में निकलती है, जिसे पहले छोटा करते हैं और फिर घाव पर लगाते हैं। डॉक्टरों ने यह भी दावा किया कि अब तक पेट की चर्बी के स्टेम सेल का उपयोग कई बीमारियों के इलाज के लिए जाता है, लेकिन डायबिटीक पांव के इलाज में यह प्रयोग प्रदेश में पहली बार हो रहा है। इसका परीक्षण अब तक 30 मरीजों पर किया गया है जो सफल रहा है। स्टेम सेल अपने जैसी कोशिकाएं बनाने में सक्षम होती हैं, इसलिए जब शरीर की चर्बी से इन्हें अलग कर घाव वाले स्थान पर लगाया जाता है, तो ये नई कोशिकाओं का निर्माण शुरू कर देती हैं और इससे मरीज को जल्दी राहत मिल जाती है।

धार भोजशाला सर्वे आज खुलेगी लिफाफे में बंद रिपोर्ट, इंदौर खंडपीठ में होगी सुनवाई

इंदौर। भोजशाला मामले में सोमवार को मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ के समक्ष सुनवाई होगी। भोजशाला परिसर में 98 दिन चले सर्वे के बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने बंद लिफाफे में अपनी सर्वे रिपोर्ट 15 जुलाई को हाई कोर्ट में प्रस्तुत कर दी थी। कोर्ट सोमवार को इन लिफाफों को खोलेगी। इसके बाद ही अधिकृत रूप से पता चलेगा कि रिपोर्ट में क्या है। हालांकि मामले से जुड़े पक्षकार दावा कर रहे हैं कि सर्वे में एएसआई को इस बात के पक्के साक्ष्य मिले हैं कि भोजशाला मंदिर ही है।

हिंदू देवी-देवताओं की मिली मूर्ति

एएसआई को वहां की खुदाई में देवी-देवताओं की कई मूर्तियां मिली हैं। इसके अलावा स्तंभों की जांच भी स्पष्ट कह रही है कि ये मंदिर के स्तंभ हैं। सर्वे में भोजशाला के परमारकालीन होने की भी पुष्टि हुई है। दरअसल हाई कोर्ट ने एएसआई को आदेश दिया था कि वह सर्वे रिपोर्ट कोर्ट के पटल पर रखने के साथ ही इस रिपोर्ट की एक-एक प्रति मामले से जुड़े सभी पक्षकारों को उपलब्ध करवाए।

सुप्रीम कोर्ट में भी होनी है सुनवाई

भोजशाला मामले में हिंदू फ्रंट फार जस्टिस की ओर से

प्रस्तुत आवेदन पर सुप्रीम कोर्ट में भी सुनवाई होनी है। मप्र हाई कोर्ट ने 11 मार्च 2024 को एएसआई को आदेश दिया था कि वह भोजशाला का सर्वे कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसायटी ने इस आदेश को चुनौती देते हुए एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत की थी। इसकी सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एक अप्रैल 2024 को आदेश दिया था कि सर्वे पर रोक नहीं है लेकिन हाई कोर्ट इस सर्वे की रिपोर्ट के आधार पर कोई आदेश जारी नहीं करेगा। हिंदू फ्रंट फार जस्टिस एक अप्रैल के इस अंतरिम आदेश को निरस्त करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है।

इंदौर में वारदात, भतीजी से दुष्कर्म करता था मौसा...

पुलिस को बताने जा रही थी, तो पत्थर से कुचलकर मार दिया

सिटी चीफ इन्दौर

इंदौर शहर में बाणगंगा थाना क्षेत्र में रविवार को युवती का शव मिला था। उसकी पत्थर से कुचलकर हत्या की गई थी। पुलिस ने युवती के सगे मौसा और पड़ोसियों को हिरासत में लिया था।

जांच में पता चला कि मौसा उसके साथ दुष्कर्म करता था। विवाद के बाद वह पुलिस को बताने जा रही थी। उसे रोकने के लिए मौसा ने युवती पर पत्थर से हमला कर उसे मार दिया।

मौसा के साथ रहती थी युवती

डीसीपी जोन-3 पंकज पांडेय के मुताबिक, युवती की उम्र 24 साल है। माता-पिता वडोदरा (गुजरात) में रहते हैं।

युवती सुखलिया (रेलवे क्रासिंग के पास) एक मल्टी में रहने वाले मौसा के साथ रहती थी। मौसा मिस्त्री है। रविवार सुबह खाली मैदान में अर्धनग्न अवस्था में युवती का शव मिला।

उसकी पत्थर से कुचलकर हत्या हुई थी। डीसीपी के मुताबिक, युवती नशा करती थी। रहवासियों ने बताया कि रात को विवाद हुआ था।

पड़ोसी ने भी किया दुष्कर्म

शनिवार रात करीब 12:30 बजे गुस्से में घर से चली गई थी। पुलिस ने शक के आधार पर मौसा को हिरासत में लिया। पुलिस ने आठ साल की बच्ची से पूछताछ की तो उसने बताया कि रात को विवाद हुआ था। युवती पुलिस को बताने का बोल रही थी। इसके बाद पुलिस ने मौसा से सख्ती से पूछताछ की। पड़ोसी द्वारा दुष्कर्म करने की बात भी सामने आ रही है। पुलिस ने उसे भी हिरासत में लिया है। इस बात की आशंका जताई जा रही है कि युवती की नशे की लत की वजह से मौसा ने अपना शिकार बनाया। इसी का फायदा उसके पड़ोसी ने भी उठाया और युवती के साथ दुष्कर्म किया।

तेज बारिश ने मचाया कोहराम, कई गांव के सड़क संपर्क टूट गए

सीहोर के बुधनी में 24 घंटे में साढ़े सात इंच

भोपाल। सीहोर जिले के भैरूंदा, रेहटी, बुधनी क्षेत्र में रविवार को जोरदार बारिश ने कोहराम मचा दिया। वैसे तो जिले भर में बारिश हुई, लेकिन सबसे ज्यादा खराब हालत इन तीन तहसीलों में देखने को मिले। जोरदार बारिश के चलते कई गांव के सड़क संपर्क टूट गए। पिछले 24 घंटे में, भैरुंदा में करीब 3 इंच, रेहटी में करीब साढ़े 5 इंच तो बुधनी में साढ़े 7 इंच बारिश दर्ज की गई है।

सीहोर जिले में सुबह से ही तेज बरसात का दौर शुरू हो चुका था और तेज व हल्की की बरसात से हालात विकराल होते गए। रेहटी नगर में सबसे अधिक नुकसान के समाचार मिले हैं। भब्बड नदी का पानी बढ़ जाने से नगर की निचली बस्तियां जलमग्न हो गईं और बस स्टैंड सहित अन्य जगहों पर 5 से 6 फीट पानी देखने को मिला। रेहटी में बाढ़ की चपेट में आने से व्यापारियों को लाखों रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है। चकल्दी के मुख्य चौक बाजार में तीन से चार फीट पानी भर जाने से व्यापारियों को अपनी दुकानों का सामान खाली करना पड़ा। व्यापारी दुकानों के अंदर से समान समेटते हुए नजर आए।

इछावर में भी जोरदार बारिश का रहा असर

इछावर जनपद की ग्राम पंचायत ब्रिजिस नगर में हो रही भारी बारिश के चलते सडकों पर पानी भर गया। इछावर जाने के रास्ते में आने वाला बोरदी गांव की मुख्य सड़क पर पानी भरा रहा। इस कारण इछावर आने जाने वाला मार्ग कुछ समय के लिए बंद हो गया। ग्रामीणों को इछावर और सीहोर जाने में बहुत परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह से हो रही भारी बारिश के कारण मुख्य इछावर-नादान मार्ग भी कुछ समय के लिए बाधित हुआ। वहां के ग्रामीण के घर में बारिश का पानी घुस जाने से ग्रामीण जन बहुत परेशान हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि रोड पर अतिक्रमण करने के कारण पानी का निकासी बंद हो गई है इसीलिए हमारे घरों में पानी घुस गया।

आष्टा में भी कई जगह रहा जल भराव

आष्टा में रविवार सुबह 6 बजे से 1 बजे तक बारिश हुई। बारिश से कई इलाकों में पानी भर गया है। वहीं ग्रामीण क्षेत्र जिनमें जावर, मेहतवाड़ा, कोठरी, सिद्धिगंज शामिल हैं, अभी भी बारिश हो रही है। शहर के पुराना भोपाल-इंदौर दरगाह के पास, जेके हॉस्पिटल के सामने, भोपाल नाका, बुधवारा, पुराना बस स्टैंड, सब्जी मंडी मार्ग पर जल भराव की समस्या से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। 1 जून से 20 जुलाई को सुबह 8 बजे तक अधीक्षक भू-अभिलेख के अनुसार आष्टा में 315.0, जावर में 234.0, मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

सीहोर कलेक्टर ने जारी की एडवाइजरी

मौसम विभाग ने जिले में अत्यधिक वर्षा एवं बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। कलेक्टर प्रवीण सिंह ने नागरिकों से अपील की है कि नदी, नाले, पुल, पुलिया, रपटा पर जलभराव की स्थिति में वहां से गुजरने वाले रास्तों को बाढ़ एवं पानी होने की स्थिति में पार नहीं करें तथा सुरक्षित स्थानों में रहें। इसके साथ ही वर्षा के दौरान बड़ी संख्या में नागरिक नदी, तालाब व डैम के आसपास पिकनिक मनाने जाते हैं। कई बार थोड़ी सी लापरवाही से बड़ी घटनाएं घटित हो जाती हैं। कलेक्टर प्रवीण सिंह ने सभी नागरिकों से खतरनाक और गहरे पानी वाली जगहों पर नहीं जाने की अपील की है। कलेक्टर सिंह ने सभी अविभवकों से अपील करते हुए कहा कि बच्चों को नदी, तालाब, पोखर में नहाने अथवा पिकनिक के लिए जाने से मना करें। इसके साथ ही कलेक्टर सिंह ने सभी एसडीएम, तहसीलदार और नगर पालिका के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जिले के सभी तालाबों, डैम, नदी, नालों और जल भराव वाले क्षेत्रों पर लगातार निगरानी रखें और स्थानीय लोगों से सम्पर्क में रहें।

भोपाल में 24 घंटे में आधा इंच से ज्यादा बारिश, बड़ा तालाब में 1661.35 फीट पहुंचा जलस्तर

भोपाल में पिछले 24 घंटे में 13.2 मिमी यानी, आधा इंच से ज्यादा बारिश हुई। इसे मिलाकर अब तक 422 मिमी यानी, 16.61 इंच बारिश हो चुकी है। यह सीजन की कुल बारिश की 40 प्रतिशत बारिश है।

भोपाल में रविवार को सुबह से कभी तेज तो कभी रुक-रुककर बारिश का दौर जारी रहा। दोपहर साढ़े 3 बजे से तेज बारिश शुरू हुई, जो करीब एक घंटा तक जारी रही। इससे पूरा शहर तरबतर हो गया। बदले मौसम का लुत्फ उठाने के लिए सैकड़ों लोग बोट क्लब और लेक व्यू पर पहुंचे। मौसम विभाग ने अगले 4 दिन तक तेज बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। इधर, लाइफ लाइन बड़ा तालाब में पानी का लेवल 1661.35 फीट पहुंच गया है। अब यह सिर्फ 5.45 फीट ही खाली है। रविवार को कोलांस नदी अपने लेवल से 1 फीट ऊपर बह रही है।

संजीव नगर के अटल परिसर में गिरी बिजली

बारिश के दौरान ही जेल रोड स्थित संजीव नगर के अटल परिसर की एक बिल्डिंग पर आकाशीय बिजली गिर गई। इससे बिल्डिंग के ऊपरी हिस्से में दरारें आ गईं। एल-1 के हिस्से में बिजली गिरने से भवन के ऊपरी भाग में बड़ा छेद हो गया। हालांकि, कोई जनहानि नहीं हुई है, लेकिन बड़ा हादसा टल गया।

लगातार बढ़ रहा पानी का लेवल

बड़ा तालाब का लेवल लगातार बढ़ रहा है। दरअसल, बड़ा तालाब के कैचमेंट एरिया और कोलांस नदी में अच्छा पानी गिर रहा है। सीहोर जिले में तेज बारिश होने से पानी कोलांस नदी में पहुंचता है। फिर यह बड़ा तालाब में आता है। ऐसे में तालाब का लेवल बढ़ता जा रहा है। कोलार, कलियासोत और केरवा डैम में भी पानी बढ़ा है।

अब पुलिस के लिए मौत की गुत्थी सुलझाने में होगी आसानी

एम्स में शुरू हुई फोरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी लैब

भोपाल। मेडिको-लीगल मामलों की जांच करना आसान होगा राजधानी भोपाल के एम्स मेंफोरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी लैब की शुरूआत की गई है जिसमें किसी भी मौत की हिस्ट्री तलाश में पुलिस की काफी मदद मिलेगी। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक और सीईओ डॉ. अजय सिंह ने अत्याधुनिक फोरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी लैब का उद्घाटन किया। इस लैब को एम्स के मोर्चरी कॉम्प्लेक्स में स्थित किया गया है। इससे फोरेंसिक मेडिसिन में इसकी क्षमताऐं मजबूत होंगी। नवनिर्मित लैब फोरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी में उन्नत शोध और निदान की सुविधा प्रदान करेगी, जिससे मेडिको-लीगल मामलों के लिए महत्वपूर्ण ऊतक के नमूनों की सटीक जांच और विश्लेषण संभव होगा। यह सुविधा एम्स भोपाल मे फोरेंसिक पैथोलॉजी में एक नए युग की

शुरूआत करती है, जो सटीक और समय पर हिस्टोपैथोलॉजिकल मूल्यांकन कर सकेगी। इससे मृत्यु के कारणों को निर्धारित करने और आपराधिक जांच में कानून प्रवर्तन एजेंसियों की सहायता की जा सकेगी। एम्स के डायरेक्टर प्रो. अजय सिंह ने फोरेंसिक जांच में हिस्टोपैथोलॉजी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और भविष्य में लैब की क्षमताओं को और बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

40त्न मामलों में मौत का कारण का हो जताता है निर्धारण

डॉ. अरनीत अरोड़ा (प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष एफएमटी) ने बताया कि हिस्टोपैथोलॉजिकल जांच से 40त्न मामलों में मौत का कारण निर्धारित किया जा सकता है, जहां सकल शव परीक्षण निष्कर्षों से मृत्यु का कारण पता नहीं लगाया जा सकता है। फोरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी पुलिस को मेडिकोलीगल मामलों में मौत का कारण बताने और वैध जांच के लिए मामलों का मूल्यांकन करने में मदद करती है।

अनुसंधान कार्यों में भी मिलेगी मदद

इसके अलावा यह शिक्षण और अनुसंधान कार्यों में भी मदद करेगी। एफएमटी विभाग फोरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी लैब के उद्घाटन के साथ ही मेडिकोलीगल मामलों में ऊतक प्रसंस्करण और स्लाइड तैयार करने में आत्मनिर्भर हो जाएगा। प्रो. अजय सिंह ने फोरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी लैब की स्थापना में शामिल सभी लोगों के प्रयासों की सराहना की और एम्स भोपाल में फोरेंसिक जांच और चिकित्सा शिक्षा के उच्च मानकों को बनाए रखने में इसके महत्व पर जोर दिया।

नीमच, सिवनी और मंदसौर में मेडिकल कॉलेज के उपकरण भी आए

प्रदेश के तीन मेडिकल कॉलेज को मिलेगी 50- 50 सीटों की मान्यता

भोपाल। मंदसौर, नीमच और सिवनी मेडिकल कॉलेज को इसी शिक्षा सत्र से 50-50 एमबीबीएस सीटों के लिए मान्यता मिलना तय माना जा रहा है। चिकित्सा शिक्षा संचालनालय के अधिकारियों की नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) के अधिकारियों के साथ बातचीत में इस पर सहमति बनी है। हालांकि शासन को इसके पहले 50 सीटों के हिसाब से फैकल्टी के रिक्त पद भरने होंगे। संचालनालय के अधिकारियों का कहना है कि उनकी 100-100 सीट के हिसाब से फैकल्टी पदस्थापना की तैयारी चल रही है। राज्य सरकार इसी वर्ष से तीनों कॉलेज प्रारंभ करने की घोषणा बजट में कर चुकी है। चिकित्सा शिक्षा संचालनालय के अधिकारियों ने बताया कि भवन तैयार हो चुके हैं। पुस्तकालय में पुस्तकें भी 150-150 सीट के हिसाब से उपलब्ध हैं। उपकरण भी आ गए हैं। फैकल्टी की कमी के चलते प्रति कॉलेज

100-100 टइइर सीटों की मान्यता देने के लिए एनएमसी ने मना कर दिया था। इसके बाद सीनियर रेसीडेंट (रफ), जूनियर रेसीडेंट (जेआर) व फैकल्टी के पदों पर भर्ती और स्थानांतरण के माध्यम से पदस्थापना की गई है। फैकल्टी, डिमांस्ट्रेटर, एसआर और जेआर मिलाकर मंदसौर में 60, सिवनी में 58 और नीमच में 54 फैकल्टी हो गए हैं। 100-100 सीटों के हिसाब से कुछ और पद भरे जाने हैं। पद भर गए तो 100-100 नहीं तो 50-50 सीटों के लिए मान्यता मिलना तय माना जा रहा है। एनएमसी इन कॉलेजों का निरीक्षण पहले कर चुका है। इस कारण निरीक्षण की आवश्यकता भी नहीं है। फैकल्टी की ऑनलाइन उपस्थिति के आधार पर ही एनएमसी नियुक्तियों का सत्यापन कर मान्यता जारी कर सकेगा।

दिग्विजय सिंह ने सीएम को पत्र लिखकर की सागर के खुरई हत्याकांड मामले में सीबीआई जांच की मांग

भोपाल। सागर जिले के खुरई के बडोदिया नोनागिर गांव के नितिन अहिरवार की हत्या और अंजना अहिरवार की संदिग्ध मौत का मामला फिर से उठने लगा है पहले पूर्व सीएम कमलनाथ ने सोशल मीडिया के माध्याम से मामले में जांच की मांग की अब पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पत्र लिखकर मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की है। दिग्विजय सिंह ने अपने पत्र में लिखा कि मप्र के नागरिक समूह ने एक वास्तविक जांच रिपोर्ट मुझे भेजी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक अब तक दलित वर्ग के युवाओं और उनके परिवारों पर हुई घटनाओं की जानकारी दी गई है। दिग्विजय का पत्र मध्यप्रदेश में दलित वर्ग पर लगातार हो रहे हमलों की आये दिन खबरे प्रकाशित हो रही है। इसमें सबसे ज्यादा प्रताड़ना के मामले मध्यप्रदेश के सागर जिले में सामने आ रहे है। आपकी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा दलित समाज पर हमले और प्रताड़ना की कई घटनाएं वर्तमान में सामने आई है। जिन पर प्रशासन और पुलिस द्वारा राजनैतिक दबाववश कोई भी कार्यवाही नही की जा रही है और अपराधी लगातार क्षेत्र में दहशतगर्दी फैला रहे है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने थाने के बाहर किया हनुमान चालीसा पाठ

भोपाल। राजधानी भोपाल में इस समय पुलिस थानों में राजनैतिक पार्टियों द्वारा धार्मिक कार्यक्रम किया जा रहे हैं। पहले भाजपा नेताओं ने अशोका गार्डन थाने में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। इसके बाद भोपाल के टीटी नगर थाने के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। दरअसल, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने टीटी नगर थाना पुलिस से अपने कार्यकर्ता बंटी जैन के जन्मदिन के मौके पर थाना परिसर में हनुमान चालीसा की अनुमति मांगी थी। पुलिस ने पूर्व मंत्री को इसकी अनुमति नहीं दी। इससे नाराज होकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने थाने के सामने सड़क पर बैठ गए। पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने इस दौरान मीडिया से बात करते हुए बताया कि 18 जुलाई को नर्सिंग घोटाले में तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग के खिलाफ भोपाल जिला कांग्रेस एफआईआर कराना चाहती थी। लेकिन, अशोका गार्डन पुलिस ने हमें थाने में नहीं जाने दिया। पूछने पर बताया कि थाना परिसर में एक कार्यकर्ता के जन्मदिन के मौके पर सुंदर कांड चल रहा है। इस कारण टीटी नगर पुलिस से 20 जुलाई को कांग्रेस कार्यकर्ता बंटी जैन के बर्थडे के मौके पर थाना परिसर में बने मंदिर में सुंदरकांड की अनुमति मांगी, जो नहीं दी गई।

कुबेरेश्वरधाम में तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने ली गुरु दीक्षा

सच्चा गुरु वही जो पवित्र विचारों से भगवान की ओर ले जाए

भोपाल। इंसान से नहीं ईश्वर से जुड़ने का प्रयास करें, सच्चा गुरु वही है जो आपको सत्संग और पवित्र विचारों से भगवान की ओर ले जाए। शिवालय-देवालय की ओर ले जाए। गुरु शब्द का अभिप्राय है अंधेरे से उजाले की ओर ले जाने वाला, हमारे देश में परम्परागत से गुरु व्यास जी सहित 88 हजार गुरुओं की परम्परा रही है। वैसे मनुष्य जीवन में चार गुरुओं का महत्व है।

ये बातें जिला मुख्यालय के समीपस्थ चितावलिया हेमा स्थित निमार्णाधीन मुरली मनोहर एवं कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में रविवार को एक दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव के दौरान गुरु चर्चा के दौरान अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कही। इस मौके पर विधायक सुदेश राय, वरिष्ठ समाजसेवी श्रीमती अरुणा राय सहित अनेक श्रद्धालुओं ने आशीर्वाद लिया। रविवार को एक दिवसीय गुरु पूर्णिमा का पर्व आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया। इस मौके पर सुबह भागवत भूषण पंडित प्रदीप मिश्रा ने मंदिर परिसर में लाखों श्रद्धालुओं के मध्य आरती की ओर उसके पश्चात सुबह नौ बजे से गुरु दीक्षा का भव्य कार्यक्रम और भंडारे का आयोजन देर रात्रि तक जारी रहा। इस मौके पर विठलेश सेवा समिति के व्यवस्थापक समीर शुक्ला, पंडित विनय मिश्रा, आशीष वर्मा, मनोज दीक्षित मामा, पंडित शिवम मिश्रा, आकाश शर्मा आदि ने यहां पर आने वाले करीब तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं को पेयजल के अलावा प्रसादी का वितरण किया।

परमात्मा को जानने में अपनी ऊर्जा खत्म करें

पं. प्रदीप मिश्रा ने कहा कि मानव जीवन तभी सार्थक है जब वह परमात्मा को जानने में अपनी ऊर्जा खत्म करें, क्योंकि भक्ति

ज्ञान के बिना हम किसी से प्रेम नहीं कर सकते। परम ब्रह्म का दर्शन कर ही आत्मा का परमात्मा से मेल संभव है। ईश्वर की प्राप्ति मनुष्य जीवन में संभव है, अन्य जन्मों में नहीं। मनुष्य को एकाग्रता से ईश्वर का नाम सिमरना चाहिए। वर्तमान में मानव ईश्वर की प्राप्ति के लिए सरल से सरल साधन ढूंढने के प्रयास में रहता है। भक्ति बिना ईश्वर की कामना करना असंभव है। इसके लिए सच्चे मन से तप की आवश्यकता है।

गुरु माध्यम है ईश्वर प्राप्ति का

पंडित मिश्रा ने कहा कि मानव की देह हमें पुण्य से प्राप्त होती है और इस जीवन को सार्थक करना है तो सद्गुरु के पास जाएं। गुरु वह तत्व है, जो अज्ञान के स्वरूप में फैले अंधेरे का नाश करके ज्ञान के तेज का प्रकाश फैलाता है। ऐसे सद्गुरु का आशीष और सान्निध्य पाने के लिए गहरी चाहत और उनके चरणों में अपना सर्वस्व समर्पण करने की आतुरता आवश्यक है। जो मनुष्य सद्गुरु के श्रीचरणों में भक्तिपूर्वक स्वयं को न्यौछावर करने की इच्छा लिए आगे बढ़ते हैं, वे ही गुरु के आशीर्वाद का सच्चा आनंद पाते हैं।

सम्पादकीय

क्या स्थानीय आधार पर आरक्षण तर्कसंगत है?

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु सूचना प्रौद्योगिकी का गढ़ है। वहां 67,000 से ज्यादा देशी-विदेशी आईटी कंपनियां काम कर रही हैं। उन कंपनियों में नौकरी सिर्फ योग्यता के आधार पर मिलती है, क्योंकि काम ही तकनीकी और प्रौद्योगिकी का है। बेंगलुरु में देश के अन्य क्षेत्रों और विदेशों से भी लोग आईटी की नौकरी करने आते हैं और बेंगलुरु के युवा विदेशों में भी नौकरी करने जाते हैं। क्या ऐसे क्षेत्र में आरक्षण तर्कसंगत है?

न जाने क्यों कर्नाटक सरकार को स्थानीय आरक्षण वाला विधेयक फिलहाल स्थगित करना पड़ा! कर्नाटक सरकार की नीयत और उसके मंसूबे विधेयक में साफ झलकते हैं, जिसे राज्य कैबिनेट ने पारित किया था। पारित विधेयक भारतीय संविधान की भावना और उसका अक्षरशः उल्लंघन है, क्योंकि अनुच्छेद 19 (1) के तहत देश का प्रत्येक नागरिक, देश के किसी भी हिस्से में, कारोबार या नौकरी कर, अपनी आजीविका कमा सकता है। किसी भी क्षेत्र की भाषा, जाति, धर्म और राज्यवाद उस पर प्रतिबंध नहीं थोप सकते। इसी तरह स्थानीय भाषा और नागरिकता के आधार पर आरक्षण तय करना भी असंवैधानिक है। कर्नाटक कैबिनेट ने जो बिल पारित किया था, उसके मुताबिक निजी क्षेत्र के उद्योगों, फैक्टरियों और अन्य कंपनियों में प्रबंधकीय श्रेणी के पदों पर 50 फीसदी आरक्षण कन्नड़भाषी लोगों के लिए होगा। गैर-प्रबंधकीय पदों के लिए कन्नड़वालों के लिए 75 फीसदी आरक्षण होगा। सरकार से अनापत्ति प्रमाण-पत्र तभी मिलेगा, जब इस आरक्षण की पुष्टि हो जाएगी। कन्नड़ भाषा का ज्ञान, कन्नड़ परिवार में जन्म आदि शर्तें आरक्षण के लिए अनिवार्य हैं। यदि किसी पद के लिए पात्र, योग्य, कुशल कर्मचारी न मिले, तो यह दायित्व भी कंपनी का होगा कि वह अपात्र व्यक्ति को भी अपने साथ रखे और तीन साल के अंतराल में प्रशिक्षित करे। रोजगार और नियुक्ति कन्नड़वाले को ही मुहैया की जाएगी। दरअसल कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु सूचना प्रौद्योगिकी का गढ़ है। वहां 67,000 से ज्यादा देशी-विदेशी आईटी कंपनियां काम कर रही हैं। उन कंपनियों में नौकरी सिर्फ योग्यता के आधार पर मिलती है, क्योंकि काम ही तकनीकी और प्रौद्योगिकी का है।

बेंगलुरु में देश के अन्य क्षेत्रों और विदेशों से भी लोग आईटी की नौकरी करने आते हैं और बेंगलुरु के युवा विदेशों में भी नौकरी करने जाते हैं। क्या ऐसे क्षेत्र में आरक्षण तर्कसंगत है? बेंगलुरु के अलावा मुंबई हमारे देश का नंबर एक महानगर है, जहां देश के कोने-कोने से लोग नौकरी करने आते हैं। वहां मराठा के नाम पर ऐसा आरक्षण नहीं है कि अन्य भारतीयों के लिए दरवाजे बंद कर दिए जाएं। कर्नाटक कोई पहला राज्य नहीं है, जहां कैबिनेट ने स्थानीय आरक्षण का बिल पारित किया है। इससे पहले आंध्रप्रदेश (2019) और हरियाणा सरकार (2020) अपने भाषायी और स्थायी नागरिकों के लिए 70-75 फीसदी आरक्षण का कानून बना चुकी हैं। बीते साल नवंबर में पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने स्थानीय आरक्षण की व्यवस्था और कानून को खारिज कर दिया था। आंध्र उच्च न्यायालय ने भी स्थानीय आरक्षण को असंवैधानिक करार दिया है, जबकि यह बिल आंध्र विधानसभा में मई, 2019 में पारित किया जा चुका था। दरअसल यह भी आरक्षण के बुनियादी मुद्दे सरीखा है। यह भरपूर सियासत भी है। सरकारें स्थानीय आरक्षण को इसलिए लागू करना चाहती हैं, क्योंकि वे अपने मतदाता को रोजगार मुहैया कराना चाहती हैं। यह लाभ उन्हें बाहर के लोगों से नहीं मिल सकता, लेकिन सवाल यह भी है कि कन्नड़वाले बाहर के क्षेत्रों में भी काम करने जाते हैं। हरियाणा के असंख्य लोग दिल्ली और अन्य शहरों में व्यापार करते हैं, नौकरियां करते हैं। क्या उन सभी को प्रतिबंधित किया जा सकता है? यह अवधारणा भी संविधान के खिलाफ है। दरअसल बेरोजगारी पूरे देश की भीषण समस्या है। सरकारों और राजनीतिक दलों के लिए गंभीर चुनौती है। अब भी बेरोजगारी की राष्ट्रीय दर 9 फीसदी के करीब है, जो भयानक है। ऐसे आरक्षण से देश में इंस्पेक्टर राज की वापसी भी हो सकती है, क्योंकि नौकरशाहों को जिम्मेदारी दी जाएगी कि औसत कंपनी में कितने स्थानीय कर्मचारी हैं अथवा नहीं हैं। जिस आयाम को नजरअंदाज किया जाता रहा है, वह है-निजी क्षेत्र पर प्रभाव। अब तक यह साफ हो चुका है कि भारत में केंद्र या राज्य सरकारें देश के बेरोजगार युवा को नौकरी या रोजगार देने में असमर्थ हैं, लिहाजा समाधान के तौर पर निजी क्षेत्र की ओर देखा जा रहा है। स्थानीय आरक्षण के लगातार दबाव से उन शहरों की गतिशीलता और उत्साह या प्रगतिशीलता भी ठंडी पड़ेगी, जो नई प्रौद्योगिकी के हब बने हुए हैं। सियासत के अलावा कोई और रास्ता निकाला जाए, ताकि रोजगार भी मिलें और निजी क्षेत्र पर भी उलटा असर न पड़े।

मिर्जापुर वैसा नहीं, जैसा ओटीटी पर दिखाया जा रहा

ओटीटी पर मिर्जापुर का जब भी नया सीजन आता है, मिर्जापुर के निवासियों के सामने नए सिरे से सवालों की बौछार शुरू हो जाती है। जाहिर है कि वे सारे सवाल मिजार्पुर सीरीज के जरिए रची गई छवि के इर्द-गिर्द ही होती है। मिर्जापुर के मूल निवासी एक बड़े पत्रकार ने तो अब इस बारे में सफाई देनी ही बंद कर दी है। आखिर कितने लोगों को वे बता सकते हैं कि मिर्जापुर वैसा है ही नहीं है, जैसा ओटीटी के सीरीज में दिखाया जा रहा है।

ओवर द टॉप यानी ओटीटी का मशहूर प्रोग्राम है मिर्जापुर। इसकी लोकप्रियता इतनी है कि इसका तीसरा सीजन दर्शकों के सामने हाजिर है। उम्मीद की जा रही है कि जिस तरह इसके शुरुआती दो सीजन को दर्शकों का प्यार हासिल हुआ, एक बार फिर वैसा ही स्नेह हासिल करने में यह कामयाब रहेगा। मिर्जापुर की सफलता का राज है, इसका बोल्ड कथानक और संवाद। जिसमें ठेठ भोजपुरी अंदाज में गालियों की भरमार है, परिवार के बीच अविश्वसनीय लगने वाला व्यभिचार है। माफिया है, माफिया है तो गोली-बारूद भी होगा। वर्चस्व की जंग भी होगी और राजनीति से उसके काले रिश्ते भी होंगे। जब इतना कुछ होगा तो राजनीति की गोटियां भी होंगी। राजनीतिक उठापटक भी है और राजनीति को साधने के लिए धन, ताकत और सेक्स का तड़का भी है।

लेकिन इसमें कुछ नहीं है तो वह है मिर्जापुर। मिर्जापुर की ना तो इसमें मिठास है, ना ही संस्कृति है और ना ही इतिहास। इसलिए जो भी ओटीटी वाले मिर्जापुर से गुजरता है, वह मान लेता है कि मिर्जापुर की धरती त्रिपाठी परिवार जैसे माफियों की बारूद की गंध और गोली की आवाज के बीच ही कहीं अपना अस्तित्व बचाए हुए है, जहां परिवार के अंदर ही अवैध संबंधों की बहुलता है। जहां हर किसी की जिंदगी माफिया के ही इर्द-गिर्द घूमती रहती है। इसके पहले सीजन के सुपर हिट होते वक्त दिल्ली में तैनात एक दक्षिण भारतीय बड़े अधिकारी ने पूछ लिया था कि क्या मिर्जापुर ऐसा ही है, जहां हर व्यक्ति गालियां ही देता रहता है, जहां माफिया राज ही चलता रहता है।

ओटीटी पर मिर्जापुर का जब भी नया सीजन आता है, मिर्जापुर के निवासियों के सामने नए सिरे से सवालों की बौछार शुरू हो जाती है। जाहिर है कि वे सारे सवाल मिर्जापुर सीरीज के जरिये रची गई छवि के इर्द-गिर्द ही होती है। मिर्जापुर के मूल निवासी एक बड़े पत्रकार ने तो अब इस बारे में सफाई देनी ही बंद कर दी है। आखिर कितने लोगों को वे बता सकते हैं कि मिर्जापुर वैसा है ही नहीं है, जैसा ओटीटी के सीरीज में दिखाया जा रहा है।

इसे संयोग ही कहेंगे कि मिर्जापुर से जुड़ी एक काल्पनिक रचना रही चंद्रकांता और दूसरी काल्पनिक रचना है मिर्जापुर सीरीज। उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्ध में मिर्जापुर की ही धरती पर रची गई चंद्रकांता। बाबू देवकीनंदन खत्री की यह रचना काल्पनिक होते हुए भी इतनी दिलचस्प है कि उसे अगर पढ़ना शुरू किया तो खत्म किए बिना छोड़ना आसान नहीं है। 1888 में यह रचना छपी थी, तब उसकी लोकप्रियता ऐसी थी कि उसे पढ़ने के लिए लोगों ने हिन्दी तक सीखी। कुछ वैसी ही लोकप्रियता मिर्जापुर सीरीज की भी है। कुछ वैसी ही काल्पनिक सीरीज भी है। लेकिन चंद्रकांता और मिर्जापुर में एक अंतर है। चंद्रकांता मिजार्पुर की छवि को नए सिरे से गढ़ती है, जबकि मिर्जापुर उसे बदरंग बनाती है।

मिर्जापुर वैसा नहीं है, जैसा उसे सीरीज में दिखाता है। मिर्जापुर की और भी पहचान है। यह बात और है कि तकनीकी क्रांति के दौर में वह पहचान मिर्जापुर सीरीज जैसे प्रयासों के पीछे कहीं छुपती जा रही है। भारत राष्ट्र की अस्मिता की पहचान है अशोक चिन्ह। अशोक महान ने इसे जिस लाल पत्थर पर खुदवाया, वह सिर्फ मिर्जापुर में ही मिलता है। बौद्ध स्तूप हों या बौद्ध धर्म के अन्य प्रतीक, ज्यादातर मिर्जापुर लाल पत्थर पर ही गढ़े गए हैं। सिर्फ देवकीनंदन खत्री ही नहीं, हिन्दी साहित्य के कई अन्य दिग्गजों की जन्मभूमि मिर्जापुर है। हिंदी साहित्य के भारतेंदु युग के महत्वपूर्ण निबंधकार रहे बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'। उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्ध में उन्होंने मिर्जापुर से ही आनंद कादंबिनी नामक पत्रिका निकाली। हिन्दी के प्रसार में ताजिंदगी जुटे रहे प्रेमघन में निबंध और प्रबंध काव्य की कई अनमोल रचनाएं दी हैं। हिन्दी के आदि आलोचक रामचंद्र शुक्ल पर भी मिर्जापुर की माटी का कर्ज रहा। उनके पिता मिर्जापुर में तैनात थे, लिहाजा उनके शुरुआती जीवन का बड़ा हिस्सा यहीं गुजरा, प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा भी यहीं हुई और यहीं से उनकी रचनात्मकता के अंकुर फूटे। हिंदी की पहली कहानी कौन है, इस पर एक राय नहीं है। लेकिन जिन कहानियों को पहली कहानी की सूची में हिंदी के आलोचक शामिल करते हैं, उनमें से एक कहानी है, दुलाईवाली। यह कहानी 1907 में प्रकाशित हुई थी। इस कहानी की ना सिर्फ रचनाभूमि मिर्जापुर है, बल्कि इसकी रचनाकार भी मिर्जापुर की ही वासी रहीं। राजेंद्र बाला घोष ने इस कहानी को लिखा था। जो बंग महिला के नाम से तब रचनारत थीं।

ओटीटी प्लेटफॉर्म द्वारा रची गई छवि से इतर मिर्जापुर की अपनी अलग पहचान है। मिर्जापुर में ही मां विंध्यवासिनी देवी का स्थान है। महात्रिकोण पर उनका मंदिर है। महात्रिकोण की यात्रा के बिना विंध्यवासिनी देवी की परिक्रमा पूरी नहीं मानी जाती। पहले संकट मोचन मंदिर में मत्था नवाने की परंपरा है। फिर काली खोह की यात्रा होती है। इसके बाद अष्टभुजी मंदिर का दर्शन और आखिर में विंध्याचल देवी दर्शन से यह तीर्थ पूरा होता है। मान्यता है कि भगवान राम ने यहीं पर अपने पिता दशरथ का श्राद्ध किया था। जहां उन्होंने शिवलिंग की स्थापना की, जो वाराणसी शहर से दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। इस मंदिर को रामेश्वर और इलाके को अब शिवपुर के नाम से जाना जाता है।

उत्तर प्रदेश के जिले मिर्जापुर की तहसील है चुनार। यहां का किला मशहूर है। जिसे गढ़ कुंडार के नाम से भी जाना जाता है। चुनार के किले की ही पृष्ठभूमि में चंद्रकांता के दस खंडों और चंद्रकांता संतति की रचना देवकीनंदन खत्री ने की है।

कभी मुंबइया मसाला फिल्मों के लिए एक खास फॉर्मूला होता था, जिसमें सौंदर्य होता था, सेक्स की छौंक होती थी और कुछ मारधाड़ के नजारे होते थे। आज के ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर सफलता के लिए कुछ उसी अंजदाज में मसालेबाजी में व्यवसायिक सफलता की सीढ़ी तलाश रहे हैं। इसी चलन में मिर्जापुर सीरीज भी उभर कर सामने आई है। मिर्जापुर में सिर्फ मिर्जापुर का नाम ही है, बल्कि मिर्जापुर की ना तो आत्मा है और ना उसका स्थूल रूप। उसकी बुनियादी पहचान गायब है। ऐसे में मिर्जापुर निवासी क्षुब्ध ना हों तो ही आश्चर्य होगा।

बता दें कि 17वीं शताब्दी में जब ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी भारत में तेजी से अपने पांव पसार रही थी, कलकत्ता से लेकर दिल्ली तक कंपनी का कारोबार फैलता ही जा रहा था तब कंपनी के अफसरों को मध्य भारत में भी अपना व्यापार फैलाने की आवश्यकता महसूस हुई। इसी संदर्भ अफसरों ने गंगा के रास्ते में पड़ने वाले लगभग सभी नगरीय क्षेत्रों का गहन अध्ययन किया। तमाम क्षेत्रों में विंध्याचल एवं गंगा की बांहों में फैला विंध्यक्षेत्र अंग्रेजी अफसरों को भा गया। 1735 ईसवी में लार्ड मर्क्यूरियस वेलेस्ले नाम के एक अंग्रेज अफसर ने इस क्षेत्र की स्थापना मिर्जापुर नाम से की।

मिर्जा शब्द अंग्रेजी शब्दकोश में 1595 ईसवी से जुड़ा जिसका शाब्दिक अर्थ है राजाओ का क्षेत्र। इस शब्द की व्युत्पत्ति अमीर एवं जाद को मिलाकर बनाए शब्द अमीरजादा से हुई। पर्शिया में अमीरजादा के लिए एक शब्द मोरजा भी है। अतः अंग्रेजों ने अपने क्षेत्र विस्तार के समय मिर्जा शब्द को उपाधि की तरह उपयोग किया तथा क्षेत्र का नाम मिर्जापुर रखा, जिसका अर्थ हुआ राजाओं का क्षेत्र। कुछ स्थानों पर अपभ्रंश के रूप में मीरजापुर नाम भी चलन में है। यह कहना गलत है कि मीरजापुर अपभ्रंश के रूप में है। यह क्षेत्र भर राजाओं के अधिकार या इसे भर्ग देश के नाम से जाना जाता था, यहां बेलन की सभ्यता लाखों-करोड़ों बर्ष पुरानी है , जिसे मीर का अर्थ है पहला,जा का अर्थ उत्पन्न ,पुर का अर्थ है नगर यानी जो पहले नगर की स्थापना हुई उसे मीरजापुर के नाम से जाना गया यही शुद्ध है।

साल का सबसे पवित्र महीना है श्रावण

हिंदू धर्म में श्रावण मास का विशेष धार्मिक महत्व होता है। इसे साल का सबसे पवित्र महीना माना जाता है। इस महीने को श्रावण महीना या सावन मास भी कहते हैं। श्रावण में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा बहुत श्रद्धा और भक्ति भाव से की जाती है। इस बार के सावन माह दो दुलर्भ संयोगों से भरा हुआ है। पहला तो इस बार श्रावण मास की शुरुआत सोमवार यानी भगवान शिव के दिन से हो रही है। साथ ही इस सोमवार को प्रीति आयुष्मान योग के साथ सर्वार्थ सिद्धि योग भी बन रहा है। इसको लेकर ऐसी मान्यता है कि जो भी इस योग में पूजा करता है उसको भगवान शिव से कई गुना फल की प्राप्ति होती है। इस साल का श्रावण मास 21 जुलाई 2024 से शुरू होगा और 30 दिन यानी लगभग एक महीने बाद 19 अगस्त 2024 को समाप्त होगा। इस पावन मास में श्रद्धालु भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करते हैं। श्रावण मास में ज्यादातर श्रद्धालु सोमवार के दिन व्रत रखते हैं और भगवान शिव की शुद्ध मन से पूजा करते हैं। अविवाहित लड़कियां श्रावण के हर मंगलवार को मंगला गौरी का व्रत रखती हैं। कुछ महिलाएं मनचाहा पति पाने के लिए सोमवार का व्रत करती हैं और भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करती हैं। श्रावण के दौरान कांवड़ यात्रा भी बहुत प्रसिद्ध है, जिसमें श्रद्धालु पवित्र गंगा के पास विभिन्न धार्मिक स्थानों पर जाते हैं और वहां से गंगाजल लाकर शिवरात्रि के दिन भगवान शिव को चढ़ाते हैं। हिंदू धर्म के ग्रंथों के अनुसार, समुद्र मंथन के समय निकले सारे जहर को भगवान शिव ने पी लिया था। ऐसा उन्होंने इसलिए किया क्योंकि वह विष इतना खतरनाक था कि वो पूरी दुनिया को खत्म कर सकता था। भगवान शिव ने सारे विष को पीकर दुनिया और जीव जंतुओं को बचा लिया, लेकिन वह जहर उनके गले में ही रह गया। इसी वजह से उन्हें नीलकंठ कहा जाता है। इसके बाद सभी देवी-देवताओं और राक्षसों ने भगवान शिव को गंगाजल और दूध पिलाया ताकि जहर का असर कम हो सके। यही कारण है कि श्रावण में लोग दूर-दूर से गंगाजल लाकर भगवान शिव को चढ़ाते हैं। सावन को इतना खास माने जाने की पीछे तमाम वजह हैं। पौराणिक मान्यता के अनुसार, प्रजापति दक्ष की पुत्री माता सती ने अपने जीवन को त्यागने के बाद हिमालय राज के घर पार्वती के रूप में जन्म लिया। पार्वती शिव को ही अपना पति मानती थीं। उन्होंने शिव जी को प्रसन्न करने के लिए कई वर्षों तक कठोर तप किया। वह श्रावण का महीना ही था, जब शिव जी ने प्रसन्न होकर उन्हें दर्शन दिए और उन्हें पत्नी के तौर पर स्वीकार किया। इसके बाद दोनों का विवाह महाशिवरात्रि पर कराया गया। माता पार्वती से मिलन के कारण यह माह शिव जी को बेहद प्रिय है। कुंवारी लड़कियां और लड़के इस माह में शिव जी और माता गौरी का विधिवत पूजन करें, तो उन्हें सुयोग्य जीवनसाथी की प्राप्ति होती है।

तकनीकी आजादी की ओर बढ़े भारत

पिछले दस साल में भारत की जीडीपी लगभग दोगुनी होकर 3.5 ट्रिलियन डॉलर की हो गई है। हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में एक हैं। हमारा लक्ष्य है, 2047 तक भारत विकसित देश बने। अगर हम अपनी आर्थिक विकास दर को आठ प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत कर लें, तो भारत 50 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। दुनिया भर में तकनीक तेजी से विकसित हो रही है, खासकर एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या कृत्रिम बुद्धिमत्ता) और नई ऊर्जा के क्षेत्र में। हमारे समकक्ष देश, जैसे चीन, नई तकनीक में भारी निवेश कर रहे हैं, पारंपरिक उद्योगों में बदलाव ला रहे हैं और नए क्षेत्रों को बढ़ावा दे रहे हैं।

भारत के विकास और प्रतिस्पर्द्धा में आगे रहने के लिए हमें एआई और नई ऊर्जा जैसी तकनीक को प्राथमिकता देनी होगी। इससे हमारी पूरी अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव आ सकता है। ध्यान रहे, साल 1947 में हमने अपनी राजनीतिक आजादी पाई थी और साल 2047 में हमें अपनी तकनीकी आजादी हासिल करनी है। हमें तकनीकी उन्नति के लिए अपनी खुद की रणनीति बनानी होगी। अपने देश में तकनीक का यह उपयोग सिर्फ आर्थिक विकास के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव के लिए भी होना चाहिए।

भारत की अर्थव्यवस्था काफी हद तक डिजिटल हो चुकी है, लेकिन कंप्यूटिंग में हमारी भागीदारी अभी भी बहुत कम है। आईटी सेवाओं में हमारी बड़ी सफलता के बावजूद 30 ट्रिलियन डॉलर की ग्लोबल टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री में भारत का हिस्सा सिर्फएक प्रतिशत है। यहां निवेश की बड़ी जरूरत है। भारत अभी भी अनोखी ताकतों से लैस है। विश्व के सबसे बड़े डेवलपर समुदाय में से एक भारत में है। वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक सिलिकॉन डिजाइनर, विशाल मात्रा में उत्पन्न डाटा,और दुनिया का सबसे बड़ा आईटी उद्योग हमें एआई में अग्रणी बनाने की स्थिति में लाते हैं। हम एआई महाशक्ति में बदल सकते हैं। ठीक वैसे ही, जैसे चीन ने वैश्विक विनिर्माण के क्षेत्र में क्रांति ला दी। एआई के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए भारत को डाटा, कंप्यूटिंग और एल्गोरिदम में विशेषज्ञता का लाभ उठाना चाहिए।

भारत दुनिया का 20 प्रतिशत डाटा बनाता है, लेकिन हमारा 80 प्रतिशत डाटा विदेश में स्टोर किया जाता है, एआई में प्रोसेस किया जाता है और फिर डॉलर में भुगतान करके वापस आयात किया जाता है। यह डाटा कॉलोनाइजेशन ईस्ट इंडिया कंपनी के तौर-तरीकों की याद दिलाता है, जहां भारत के कच्चे माल का दोहन करके, उन्हें प्रसंस्कृत उत्पाद के रूप में महंगे दामों पर भारतीयों को बेचा जाता था। आज, हमारे डिजिटल कच्चे माल, यानी डाटा का इसी तरह से लाभ उठाया जा रहा है। हमें अपने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर का उपयोग करके गोपनीयता-संरक्षित डाटासेट बनाना चाहिए। हम अपनी डीपीआई की सफलता (जैसे, यूआईडीएआई, यूपीआई, ओएनडीसी) पर आधारित होकर एक नई, दुनिया की सबसे बड़ी ओपन-सोर्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बना सकते हैं, जो भारत के सिद्धांतों पर आधारित हो।

बेशक, साल 2030 तक 50 गीगावाट डाटा सेंटर की क्षमता पाने के लिए 200 अरब डॉलर के निवेश की जरूरत होगी। यह हासिल करने योग्य लक्ष्य है। भारत सिलिकॉन डेवलपमेंट और डिजाइन टैलेंट के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा केंद्र है। फिर भी, हमारे पास भारत में डिजाइन किए गए चिप्स की कमी है। हमें इंडस्ट्री लीडिंग चिप डिजाइन प्रोजेक्ट्स और रिसर्च-लिंक्ड प्रोत्साहन योजनाओं के माध्यम से सरकारी प्रोत्साहन की जरूरत है, ताकि रोजगार बढ़े, भारत में काम करने के लिए विश्व स्तरीय प्रतिभाओं और बेहतरीन वैज्ञानिकों को आकर्षित किया जा सके।

पर्याप्त रोजगार वाले विकसित भारत के लिए नई ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला और तकनीक का भी विकास होना चाहिए। वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य बदल रहा है। भारत को इस बदलाव में सबसे आगे रहना चाहिए। नई ऊर्जा का पूरा इकोसिस्टम तीन स्तंभों पर टिका है = रिन्यूएबल एनर्जी जेनरेशन, बैटरी स्टोरेज और इलेक्ट्रिक वाहन। रिन्यूएबल एनर्जी का मतलब अक्षय ऊर्जा में भारत की ताकत बढ़नी चाहिए। भारत की अक्षय ऊर्जा क्षमता 2014 में 72 गीगावाट से बढ़कर 2023 में 175 गीगावाट से ज्यादा हो गई है। सोलर एनर्जी क्षमता 3.8 गीगावाट से बढ़कर 88 गीगावाट से ज्यादा हो गई है। वैसे, हम इस मोर्चे पर पीछे हैं। हमें 2030 तक 500 गीगावाट के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं पर ध्यान देना चाहिए।

अक्षय ऊर्जा को प्रभावी बनाने के लिए हमें इसे मजबूत बैटरी स्टोरेज से जोड़ना होगा। अभी हमारी बैटरी स्टोरेज क्षमता सिर्फ दो गीगावाट है, जबकि चीन की 1,700 गीगावाट है। अपने अक्षय ऊर्जा ग्रिड को पावर देने और 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन के लक्ष्य को पाने के लिए 1,000 गीगावाट क्षमता का लक्ष्य रखना होगा। इलेक्ट्रिक वाहनों की बात करें, तो भारत में अभी प्रति 1,000 लोगों पर 200 से भी कम इलेक्ट्रिक वाहन हैं। चीन के तीन करोड़ की तुलना में भारत में हर साल सिर्फ बीस लाख ईवी बेचे जाते हैं। भारत को साल 2030 तक पांच करोड़ इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाला दुनिया का सबसे बड़ा ईवी बाजार बनने का लक्ष्य रखना चाहिए। यह बदलाव पर्यावरण को स्वच्छ बनाएगा, परिवहन लागत को कम करेगा।

वर्तमान में, सौर ऊर्जा उत्पादन, लिथियम सेल उत्पादन और ईवी उत्पादन जैसे न्यू एनर्जी इकोसिस्टम का 90 प्रतिशत हिस्सा चीन में है। अपनी खुद की तकनीक और आपूर्ति श्रृंखला बनाकर हम अपनी अर्थव्यवस्था को अधिक ऊर्जा-कुशल बना सकते हैं और देश में लाखों नौकरियां पैदा कर सकते हैं।

भविष्य की तकनीकों में महारत हासिल करना ही भारत के लिए ग्लोबल लीडरशिप का रास्ता है। हमें पीछे नहीं रहना है, बल्कि समकक्षों को पीछे छोड़कर एआई और नई ऊर्जा के क्षेत्र में लीडर बनना है। यह भारत को दुनिया में तकनीकी रूप से सबसे उन्नत अर्थव्यवस्था में बदलने का मौका है। सबसे बड़ी बात कि इससे देश में करोड़ों नई नौकरियां पैदा होंगी। इस लक्ष्य को पाने के लिए हमें समाज के सभी तबकों के एकजुट प्रयास की जरूरत है। जिस तरह हर भारतीय ने स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका निभाई थी, उसी तरह अब हमारे तकनीकी भविष्य के निर्माण में हर नागरिक की भूमिका है। यह साहसिक कदम उठाने और बड़े सपने देखने का समय है। हमें तत्काल काम शुरू करना होगा, ताकि हम उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकें।

गुरुपूर्णिमा पर्व पर सेवानिवृत शिक्षकों का किया

बड़वानी– सम्मान,प्राचीन काल से लेकर अब तक गुरु शिष्य परंपरा पर अतिथियों ने शिक्षकों पर पुष्प वर्षा की व बालिकाओं के चरण स्पर्श कर प्रेर ढहक उदबोधन दिए पलसूद ~ नगर के जनशिक्षा, संकुल केंद्र शा. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्या पलसूद विकासखंड राजपुर जिला बड़वानी मे गुरु पूर्णिमा का दो दिवसीय कार्यक्रम शाला स्तर पर मुख्य अतिथि मोहनलाल गोले, योगेश शर्मा, सायसिंग नरगावे, उमेश शर्मा की उपस्थिती मे संपन्न हुआ प्रथम दिवस प्रार्थना सभा गुरु पूर्णिमा पर्व की जानकारी जिसमे प्राचीन काल मे गुरु शिष्य परंपरा का निर्वहन एकलव्य का उदाहरण देकर विद्यार्थियों को बताया गया, गुरुओ का सम्मान क्यों आवश्यक हो जाता है, क्यों की गुरु अपने विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करता है, अंधकार से प्रकाश की और ले जाता है व निबंध प्रतियोगिता कराई गयी द्वितीय दिवस सेवानिवृत शिक्षकों को आमंत्रित कर उनके कार्यकाल की उपलब्धिया पर प्रकाश डाला गया सेवानिवृत प्राचार्य केएच शेख का स्टॉफ एवं अतिथियों ने माल्यार्पण व पुष्प वर्षा कर प्रणाम किया गया,जनशिक्षक सुरेशचंद्र राठौड़, रामलाल डावर ने बताया म.प्र. शासन व विभाग के सर्कुलर अनुसार के परिपालन मे सभी प्राथमिक, मिडिल, हायर सेकेंडरी स्कूलों मे यह कार्यक्रम संपन्न हुवे जीवन काल मे प्रारंभिक

शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा, जॉब प्रोफाइल, कलेक्टर, आइएएस,डॉक्टर, इंजीनियर,ऑफिसर, अधिकारी, कर्मचारी, व्यापार, व्यवसाय, जनप्रतिनिधि, नेता, अभिनेता यदि बने है तो गुरुओ के समर्पण से वे सफल हुवे है, गुरु विद्यार्थियों के लिए सूर्य की किरणों के समान अंधकार से प्रकाश की हमेशा अग्रसर करता है इसलिए सरकार व विभाग के निर्णय लिया व गुरुपूर्णिमा पर्व गुरु, शिक्षकों का सम्मान होना चाहिए के अनुसार विभिन्न एक्टिविटीज कराई गयी, शिक्षा का महत्व पर प्रकाश डाला उक्त विचार उपस्थित अतिथियो व शिक्षकों, विद्यार्थियों ने विचार व्यक्त किये गए,विद्यार्थियों ने गुरुओ के चरण स्पर्श किये,गुरुब्रह्मा गुरुविष्णु, गुरु देवो महेश्वरा, गुरु साक्षात् परमब्रम्हा तस्मे श्री गुरवे नमः के श्लोक मे गुरु का भावार्थ छुपा हुआ है,संचालन प्रभारी प्राचार्य जगदीशचंद्र राठौड़ ने किया,कार्यक्रम मे मोहनलाल गोले, योगेश शर्मा, उमेश शर्मा, सायसिंग नरगावे, प्राचार्य काशिफ हुसैन शेख,जगदीशचंद्र राठौड़,डीके कोचक,जनशिक्षक सुरेशचंद्र राठौड़,इसराम जमरा, देवीलाल महाकाल, मखमुद्दीन शेख, कमल गोले, पिटीआई राकेश वर्मा,ने उदबोधन दिया गया,अमित चौहान, कमलाबाई गुजराती सहित बढ़ी संख्या मे विद्यार्थीयों ने उत्साह से गुरुपूर्णिमा पर्व मनाया गया

जिला पंचायत सीइओ ने ग्राम पिपरौली व सातऊ पहुँचकर सुनी ग्रामीणों की समस्यायें

ग्वालियर

ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण के उद्देश्य से जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार बीते रोज घाटीगांव जनपद के ग्राम पिपरौली एवं सातऊ पहुँचे। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणजनों के साथ बैठकर उनकी कठिनाई व समस्यायें सुनीं। साथ ही सभी से एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अपने गांव में बढ़-चढ़कर पौधे रोपने का आह्वान किया। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि जब तक पौधे पड़ न बन जाएं तब तक उनकी रक्षा भी करते रहें। ग्रामीण अंचल के भ्रमण के बाद जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार ने स्मार्ट सिटी केंपस में

दिव्य दृष्टि एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित दिव्यांगों के लिए संचालित इंक्यूवेशन ट्रेनिंग सेंटर का जायजा लिया। उन्होंने बच्चों व संस्था के सदस्यों से संवाद कर दिव्यांग ट्रेनिंग सेंटर की गतिविधियों के बारे में जानकारी ली।

शासकीय कन्या शिक्षा परिसर रामा में गुरु पूर्णिमा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन

झाबुआ मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के निर्देशानुसार गुरु पूर्णिमा के अवसर पर शासकीय कन्या शिक्षा परिसर रामा में गुरु पूर्णिमा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री महिला एवं बाल विकास विभाग एवं कलेक्टर नेहा मीना द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया गया। परिसर की छात्राओं द्वारा वीणा वादिनी मां सरस्वती वंदना जीत की प्रस्तुति की गई। मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि हमारे माता - पिता हमारे प्रथम गुरु होते है। हमें हमारे माता पिता एवं शिक्षक का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रावास में बच्चा रहता है तो स्वयं का काम सीख जाता है। कोई भी काम छोटा या बड़ा नही होता, हर व्यक्ति को हर काम आना चाहिए। नीट में चार छात्राओं के चयन होने पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी व कहा कि आने वाले समय में भी हमारी बच्चियां अच्छा रिजल्ट लाकर नीट व जेईई में जाए व संस्था का नाम रोशन करे। कलेक्टर नेहा मीना ने कहा कि छात्रावास का वातावरण बहुत ही सकारात्मक है। यहां अंदर आते ही महसूस होता है कि यहां बैठी जो बच्चियां है वे भविष्य की डॉक्टर, इंजीनियर, एडवोकेट, प्रशासनिक अधिकारी इत्यादि है एक बालिका अगर आगे बढ़ेगी तो वे अपने गांव की अन्य बालिकाओं को भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। सभी

अपनी जिम्मेदारी समझे, अपने गांव को अपनी नींव को कभी नहीं भूलें। आप जो भी बने उसके पीछे अपना संघर्ष, आपके माता पिता का क्या संघर्ष था, आपके शिक्षक ने आपको जो सिखाया कभी ना भूले। गुरु की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। अपने माता पिता एवं शिक्षक का हमेशा सम्मान करे। आपको करियर के साथ एक अच्छा इंसान भी बनाना है। अपने देश के विकास में जहां भी अपना योगदान दे सकें जरूर दे। मुख्य अतिथियों द्वारा गुरुओं को पुष्प, शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित कर गुरु पूर्णिमा की बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। साथ ही परिसर का निरीक्षण कर एक पेड़ मां के नाम भी लगाया गया। इस दौरान सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती निशा मेहरा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री सत्यनारायण दर्रो, महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी श्री राधु सिंह बघेल, कन्या छात्रावास परिसर की प्राचार्य, शिक्षक शिक्षिकाए, अधिकारी कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने उज्जैन की 175 करोड़ से अधिक की 8 औद्योगिक इकाइयों का किया वर्चुअल लोकार्पण एवं शिलान्यास

लगभग 1200 से अधिक लोगों को मिलेगा रोजगार

उज्जैन /मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज जबलपुर में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कांक्लेव में उज्जैन की 175 करोड़ से अधिक लागत की 8 औधोगिक इकाइयों का वर्चुअल लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। जिनमें प्रमुख रूप से औद्योगिक क्षेत्र झांझरवाडा अंतर्गत 30 करोड़ की लागत से मेसर्स बबजी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड , औद्योगिक क्षेत्र विक्रम उद्योगपुरी अंतर्गत 80.84 करोड़ की लागत से मेसर्स मायराज पाइप्स एंड प्राइवेट प्रोड्यूट लिमिटेड, औद्योगिक क्षेत्र ताजपुर अंतर्गत 70 लाख की लागत से मेसर्स आनंद इंडस्ट्री का लोकार्पण किया गया तथा औद्योगिक क्षेत्र देवास टू एवं तीन अंतर्गत 20 करोड़ की लागत से मेसर्स सिंचेम लेबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड, देवास 2 एवं 3 में ही 14.20 करोड़ की लागत से मेसर्स सिंचेम लेबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड, औद्योगिक क्षेत्र ताजपुर अंतर्गत 1 करोड़ की लागत से मेसर्स श्री गौतम इंडस्ट्रीज, ताजपुर में ही 1 करोड़ की लागत से मेसर्स सिद्धिविनायक पैकेजिंग तथा औद्योगिक क्षेत्र विक्रम उद्योगपुरी मे 30.03 करोड़ की लागत से मेसर्स प्लेग्रो टॉयज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का शिलान्यास किया गया। औद्योगिक इकाइयों के माध्यम से लगभग 1200 से अधिक का रोजगार सृजन हो सकेगा।विक्रम उद्योगपुरी के एमपीआईडीसी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विधायक श्री अनिल जैन कालूहेडा ,विधायक घट्टीया श्री सतीश मालवीय, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, श्री बहादुर सिंह बोरमुंडला तथा उज्जैन कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह, एसडीएम उज्जैन दक्षिण श्री अर्थ जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं एमपीआईडीसी के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहें। विधायक श्री कालूहेडा ने कार्यक्रम में कहा कि मुख्यमंत्री डॉ यादव के नेतृत्व में उज्जैन विकास के नित्य नए आयाम स्थापित कर रहा है। उज्जैन में औद्योगिक विकास के द्वार खुले हैं। विधायक श्री मालवीय ने कहा कि जिले में निरंतर निवेश को प्रोत्साहन मिला रहा है। बड़ी औद्योगिक इकाइयां स्थापित हो रही है, जिससे क्षेत्र के विकास के साथ-साथ हमारे युवाओं को रोजगार के सुनहरे अवसर प्राप्त हो रहें हैं। महापौर श्री मुकेश टटवाल और नगर निगम सभापति श्रीमती यादव ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उज्जैन में विकास की अविरल धारा प्रवाहित हो रही है। उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने जबलपुर में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कांक्लेव के लाइव प्रसारण के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ यादव के उद्बोधन को देखा और सुना।

सेंट थॉमस विद्यालय में गुरु पूर्णिमा आदर...सम्मान के साथ मनाई गई

सेंट थॉमस विद्यालय में प्राचार्या सिस्टर अभया के मार्गदर्शन में दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा का आयोजन गुरु के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने व गुरु के गुणों को याद करने और आत्मज्ञान के मार्ग पर चलने की प्रेरणा लेते हुए मनाया गया । विद्यार्थियों द्वारा सभी शिक्षक शिक्षिकाओं व प्रबंधन समिति को तिलक लगाकर स्वागत किया गया। सर्वप्रथम मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करने के पश्चात, द्वीप प्रज्जवलित कर शिक्षिकाओं द्वारा सरस्वती वंदना के पश्चात विद्यार्थियों ने शिक्षकगणों के सहयोग से सरस्वती वंदना, प्रार्थना नृत्य एवं गुरु शिष्य की पारंपरिक एकलव्य की कथा पर आधारित नाटिका प्रस्तुत कर शिष्य का गुरु के प्रति सम्मान प्रकट किया गया । इस अवसर पर विद्यालय मैनेजर फादर जॉनसन, प्राचार्या सिस्टर अभया व इंचार्ज सिस्टर निर्मला ने विद्यालय के सभी शिक्षकगणों को गुरु-पूर्णिमा की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं देते हुए अपने संबोधन में गुरु पूर्णिमा पर गुरुओं का सम्मान करने व

सकारात्मक ऊर्जा के साथ तालमेल बिठाने के महत्व को बताया । फादर जॉनसन ने विद्यालय को संबोधित करते हुए गुरु शिष्य के रिश्ते को बड़ा रिश्ता बताते हुए कहा कि शिक्षक सिर्फ विषयों का अध्ययन ही नहीं कराते हैं, बल्कि शिक्षक गणों का नैतिक कर्तव्य व जिम्मेदारी विद्यार्थियों के प्रति उनके व्यक्तित्व को संस्कारवान बनाकर निखारने की होती है । साथ ही फादर ने विद्यार्थियों से अपने शिक्षकों को आदर देते हुए उन्हें अपने पालकगणों जैसा सम्मान देने की अपील करी। कार्यक्रम में गुरु पूर्णिमा पर आधारित भाषण शिक्षिका श्रीमती उषा शर्मा व विद्यालय के हेड बॉय अथर्व दातार ने किया , व आभार प्रदर्शन हेड गर्ल दूरियां लोखंडवाला ने प्रकट किया ।

मोहर्रम पर्व पर असामाजिक तत्वों द्वारा सराफा व्यापारियों की दुकानों के सामने गैर जिम्मेदाराना हरक़त करने वालों की पहचान कर पुलिस प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा

पूर्व विधायक श्री सिसोदिया की अति. पुलिस अधीक्षक श्री सोलंकी से चर्चा

मंदसौर। मोहर्रम पर्व पर ताजिए के दौरान भीड़ में कतिपय असामाजिक तत्वों द्वारा कुछ दुकानों को चिन्हांकित करते हुए दुकानों के बाहर शौच करने, गंदगी फैलाने, दुकानों के बाहर मीटर कनैक्शन की केबल काट कर ताजियों में जोड़ने, जैसी घटनायें घटित कर नगर का वातावरण खराब करने की कोशिश करने वाले तत्वों की पहचान सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कर ली जायेगी। इस आशय का आश्वासन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री गौतम सोलंकी ने सराफा बाजार में निरीक्षण कर व्यापारियों से चर्चा करने के बाद दूरभाष पर पूर्व विधायक एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता श्री यशपाल सिंह सिसोदिया को दिया।श्री सोलंकी ने अवगत करवाया कि ऐसे तत्वों की पहचान कर ली जाएगी, उनके ऊपर कानूनन कार्यवाही कर अपराध भी पंजीबद्ध किया जाएगा। श्री गौतम ने यह भी बताया कि घटना गंभीर है, घटना से जुड़े लोगों को नोटिस तामील भी किया जाएगा, ऐसे तत्वों को बेनकाब भी किया जाएगा, व्यापारी विश्वास और भरोसा करें। श्री सिसोदिया ने कहा कि अपराधी कोई भी हो, कानून से बड़ा नहीं होता है। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार है, इस सरकार में अपराध करने वाले तत्वों को किसी को भी किसी का संरक्षण नहीं चलेगा।

बिजली बिल में 'करंट' लगाएगा फ्यूल सरचार्ज

भजन सरकार उपभोक्ताओ की जेब पर 'डाका' डाल रहीः पूर्व मंत्री जाड़ावत

शम्भूपुरा। प्रदेश के पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत ने कहा है आमजन पहले ही महंगाई से परेशान है राज्य की भजनलाल सरकार ने 61 पैसे प्रति यूनिट फ्यूल सरचार्ज लगाया है, जिससे उपभोक्ताओ के बिजली बिल में 'करंट' लगाएगा फ्यूल सरचार्ज, आम उपभोक्ता की जेब पर 'डाका' डाल रही भजनलाल सरकार बिजली निगम के राहत देने के पूरी तरह फेल हो चुके है। पूर्व राज्यमंत्री ने कहा है की पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के कार्यकाल बिजली उपभोक्ताओं को विभिन्न तरह की छूट का लाभ दिया जा रहा था जिससे महंगाई से राहत मिल रही थी किंतु फ्यूल चार्ज बढ़ाकर बिजली कटौती से परेशान लोगो के जले पर नमक छिड़का जा रहा है जिससे आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। राज्य की मौजूदा सरकार ने अब विभिन्न तरह

की छूट देना बंद कर दिया गया है, जिससे आम उपभोक्ताओं में गहरा रोष व्याप्त है तथा सरकार की कथनी करनी में अंतर बता रहे हैं।

केले के पौधे के तने ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया

बुरहानपुर- केले के पौधे के तने ने 600 महिलाओं की जिंदगी बदल दी केले के पौधे का उपयोग आमतौर पर पूजा पाठ के अलावा यह किस्मत चमका सकता है यह किसने सोचा भी नहीं था तो ई लिए हम आपको विस्तार से बताते हैं केले के तने के बारे में बुरहानपुर जिले में केले की फसल की बोवनी 23000 से ज्यादा रकबे में की जाती है फल लेने के बाद किसान वेस्टेज पौधे को अक्सर खेतों में छोड़ देते हैं या मजदूर लगाकर अक्सर फेंक देते लेकिन अब इस वेस्टेज पौधे से महिलाएं आत्म निर्भरता की ओर बढ़ रही है आपको जानकर हैरानी होगी कि अब पौधे के तनो के उपयोग से बेहद आकर्षक कलाकृतियां एवं रोजमर्रा की जीवन की उपयोगी वस्तुएं बनाई जाती है

= केले के तने से बन रही है ये चीजे महिलाएं प्रशिक्षण लेकर केले के तन से झूला, टोकरी, चटाई, पेन स्टैंड, टेबल मेट, इको फ्रेंडली राखिया, फर्टिलाइजर सहित अनगिनत सैकड़ो इको फ्रेंडली वस्तुएं बना रही हैं इको फ्रेंडली होने से स्थानीय स्तर से राजधानी तक इसकी खासी डिमांड है

अलग-अलग समूह की 600 महिलाये केले के तने से बना मेट तमिलनाडु की एक संस्था को ?200 मीटर की हिसाब से बेचती है इसके अलावा स्थानीय बाजारों सहित

भोपाल में भी घरेलू उपयोग की वस्तुएं सप्लाई होती है

600 महिलाएं बनी आत्मनिर्भर गौरतलब है की ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से स्टार स्व रोजगार योजना के तहत प्रशिक्षित होकर 600 महिलाओं ने इस काम को अपनाया इससे महिलाएं आत्मनिर्भर बनी उन्हें अच्छी खासी आमदनी भी हो रही है इस आमदनी से महिलाएं अपने बच्चों को निजी स्कूल में पढ़ा रही है साथ में परिवार का अच्छा भरण पोषण भी कर रही है

अमराना मे छत पर गिरी आकाशीय बिजली, उपकरण जले

शम्भूपुरा। चित्तौडगढ़ जिले के सामरी ग्राम पंचायत के बड़ का अमराणा गांव मे एक मकान कर ऊपर देर शाम को आकाशीय बिजली गिर गई। सरपंच प्रतिनिधि कुका लाल डांगी ने बताया कि ग्राम पंचायत के उपसरपंच मांगीलाल पिता डूंगा लाल डांगी के अमराणा स्थित मकान पर शाम करीब 8 बजे आकाशीय बिजली गिर गई जिससे उनकी आरसीसी कि छत पर खड्डा हो गया एवं बिजली उपकरण जल गये, गनीमत रही कि उस समय छत पर कोई नहीं था जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया।

गुरुपूर्णिमा के पावन पर्व पर ग्रामीणों ने भेरू महाराज की पूजा अर्चना की

मक्सी. समीपस्थ ग्राम कपालिया मे गुरुपूर्णिमा के पावन पर्व पर भेरू महाराज की पूजा अर्चना कर भेरू महाराज को बाटी, लड्डू ओर चूरमा चढ़ाकर गाव मे सुख समृद्धि और अच्छी बारिश की कामना कर आशीर्वाद लिया । भेरू महाराज की पूजन व भोग का कार्यक्रम दिनभर चलता रहा । इस अवसर पर सुरेश पाटीदार,हरिओम पाटीदार,आशीष पाटीदार व बड़ी संख्या मे ग्रामीणजन मौजूद रहे ।

वीएचपी के नेता संतोष शर्मा को मिले धमकी भरे पत्र मामले में 2 गिरफ्तार...आरोपी उन्हीं का निकला करीबी

प्रदीप चौधरी | सिटी चीफ |
इंदौर, इंदौर की तुकोगंज थाना पुलिस ने विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी संतोष शर्मा को धमकी भरे पत्र देने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया हे पुलिस ने पूरे मामले में दो आरोपी युवक युवती को गिरफ्तार किया हे जिन दो आरोपियों को हिरासत में लिया गया है, वे संतोष शर्मा के करीबी बताएं जा रहे हैं। आरोपियों में इंदौर निवासी मीरा कदम और मंदसौर निवासी छोटू बागवान शामिल हैं। दोनों को हिरासत में लेने के बाद पुलिस दोनो आरोपियों से पूछताछ कर

रही हे।पुलिस इस मामले की गहराई से जांच कर रही है।
दरअसल पूरा मामला 12 जुलाई का हे विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी संतोष शर्मा ने पुलिस में शिकायत की थी कि बुर्का पहनी महिला ने उनकी बिल्डिंग के गार्ड के पास धमकी भरा पत्र छोड़ा है। इस धमकी भरे लेटर में हिंदी और उर्दू की भाषा में लिखा हुआ है कि 'अब तू नहीं बचेगा', वीएचपी पदाधिकारी को मिली जान से मारने की धमकी, बुर्का पहनी महिला ने बिल्डिंग के गार्ड के पास छोड़ा हिंदी और उर्दू में लिखा पत्र..आपको बता दे संतोष शर्मा ने हाल ही में कई मुस्लिम युवक युवतियों की पूरे विधि विधान से घर वापसी कराई थी जिसको लेकर वर्ग विशेष में इसका भारी विरोध हो रहा हे संभवत: इसी के चलते ये धमकी भरा पत्र संतोष वर्मा tal पहुंचाया गया होगा फिलहाल पुरे मामले पुलिस सभी पहलुओं पर बारीकी से जांच कर रही हे।

इंदौर में निजी इवेंट कंपनी द्वारा आयोजित ब्यूटी पेजेंट कार्यक्रम में शामिल हुई बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा जयाप्रदा

जयाप्रदा ने एयरपोर्ट पर लगाया, एक पेड़ मां के नाम

प्रदीप चौधरी | सिटी चीफ |
इंदौर, बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा जयाप्रदा इंदौर में निजी इवेंट कंपनी द्वारा आयोजित ब्यूटी पेजेंट कार्यक्रम में शामिल हुई. इंदौर एयरपोर्ट पर जयाप्रदा ने एक पेड़ मां के नाम अभियान कार्यक्रम में शामिल होकर एक पौधा एयरपोर्ट पर लगाया। इंदौर शहर और हरियाली की तारीफ करते हुए जयाप्रदा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की हरियाली को बढ़ावा देने और पौधारोपण

कार्यक्रम की जमकर तारीफ की जयाप्रदा ने कहा कि इंदौर शहर ने हरियाली का महत्व बताया है एक दिन में 12 लाख पौधे लगाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है शहर में चारों ओर हरियाली ही नजर आती है हमारे जीवन में हरियाली का महत्व है इसलिए ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाना चाहिए। जयाप्रदा ने इंदौर शहर को सुंदर और अच्छा बताते हुए जमकर तारीफ की

बालिका गृह से 6 नकाबपोश बदमाशों के साथ भाग गई लड़की

पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज करा

अरविंद सिंहपवैया | सिटी चीफ |
ग्वालियर, ग्वालियर में बालिका गृह से 17 साल की लड़की को 6 नकाबपोश भगा ले गए। फिल्म की तरह पूरी घटना एकदम फिल्मी है नकाबपोश कैम्पस में पीछे बनी 4 फीट ऊंची दीवार फांदकर घुसे। गार्ड रूम में टेबल पर रखी चाबी खिड़की से डंडे के जरिए खींची। चैनल का लॉक खोला। आवाज लगाकर लड़की को जगाया, फिर उसे साथ लेकर निकल गए।
मामला कंपू स्थित वन स्टॉप सेंटर में शुक्रवार-शनिवार की रात 1.40 से 2 बजे के बीच का है। सिर्फ 20 मिनट में नकाबपोश लड़की को भगा ले गए। इस घटना का सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। इसमें लड़की एक नकाबपोश का हाथ पकड़कर निकलती दिख रही है।
इस दौरान ड्यूटी पर तैनात महिला गार्ड सोती रही। वन स्टॉप सेंटर के मुख्य दरवाजे पर दो महिला सहित तीन सुरक्षा गार्ड तैनात थे। इनमें पुलिस का जवान भी था। मुख्य दरवाजे पर तैनात स्टाफ को अंदर की कुछ भनक नहीं लगी। पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज किया है।

वैगन उठा रही क्रेन का वायर टूटा, बाल-बाल बचे कर्मचारी

सीएंडब्ल्यू के आरओएच डिपो में हादसा, एनकेजे में हडकम्प, अधिकारी पहुंचे

सुनील यादव | सिटी चीफ |
कटनी, देश के सबसे बड़े रेलवे यार्ड न्यू कटनी जंक्शन स्थित कैरिज एंड बैगन डिपो के आरओएच शेड में दुर्घटनाओं का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। जिम्मेदार अधिकारियों की मनमानी का नतीजा रेल कर्मचारियों को भोगना पड़ रहा है। कुछ दिन पहले आरओएच डिपो में जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते एक घटना हो गई थी, इस घटना को ज्यादा दिन भी नहीं हुए आज रविवार की सुबह करीब साढ़े 9 बजे बड़ा हादसा हो गया। रेल सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक एनकेजे के कैरिज एंड बैगन आरओएच शेड में आज रविवार की सुबह 9.30 बजे क्रेन से बैगन को ऊपर की ओर उठाकर सुधार कार्य किया जाना था। इसी दौरान अचानक क्रेन की वायर टूट गई, जिससे बड़ा हादसा हो गया। क्रेन की वायर टूटने से बैगन नीचे आकर गिरी। यह तो गनीमत रही कि उस समय वहां कर्मचारी नहीं था, अन्यथा बड़ी घटना होने से इंकार नहीं किया जा सकता था। अचानक हुई इस घटना से शेड सहित एनकेजे में हडक़म्प मच गया। घटना की सूचना मंडल एवं जोन के वरिष्ठ अधिकारियों को भी दी गई। इस घटना से एक बार फिर डिपो प्रबंधन के खिलाफ कर्मचारियों का आक्रोश देखने को मिल रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि डीएमई के द्वारा सुपरवाइजरों एवं कर्मचारियों पर अनावश्यक दबाव बनाया जाता है, जबकि कार्य प्रारंभ होने के पहले क्रेन का मेंटेनेंस एम एंड पी के द्वारा करवाया जाता है। अब वो भी बंद करवा दिया गया है, जिससे आए दिन जोखिम की स्थिति बनी रहती है। इस घटना से कहीं न कहीं कर्मचारियों की सुरक्षा पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है।

बालिका गृह से 6 नकाबपोश बदमाशों के साथ भाग गई लड़की

पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज करा

अरविंद सिंहपवैया | सिटी चीफ |
ग्वालियर, ग्वालियर में बालिका गृह से 17 साल की लड़की को 6 नकाबपोश भगा ले गए। फिल्म की तरह पूरी घटना एकदम फिल्मी है नकाबपोश कैम्पस में पीछे बनी 4 फीट ऊंची दीवार फांदकर घुसे। गार्ड रूम में टेबल पर रखी चाबी खिड़की से डंडे के जरिए खींची। चैनल का लॉक खोला। आवाज लगाकर लड़की को जगाया, फिर उसे साथ लेकर निकल गए।
मामला कंपू स्थित वन स्टॉप सेंटर में शुक्रवार-शनिवार की रात 1.40 से 2 बजे के बीच का है। सिर्फ 20 मिनट में नकाबपोश लड़की को भगा ले गए। इस घटना का सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। इसमें लड़की एक नकाबपोश का हाथ पकड़कर निकलती दिख रही है।
इस दौरान ड्यूटी पर तैनात महिला गार्ड सोती रही। वन स्टॉप सेंटर के मुख्य दरवाजे पर दो महिला सहित तीन सुरक्षा गार्ड तैनात थे। इनमें पुलिस का जवान भी था। मुख्य दरवाजे पर तैनात स्टाफ को अंदर की कुछ भनक नहीं लगी। पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज किया है।

गुरु पूर्णिमा पर्व पर सवालाख मानस पाठ साकेतधाम में हुआ गुरुपूजन

पत्रकारों को किया गया सम्मानित

धीरज कुमार अहीरवाल | सिटी चीफ
दमोह, दमोह शहर के प्रसिद्ध सवा लख मानस पाठ श्री आनंदकंद दयालु भगवान आश्रम में श्री श्री भगवान गुरुदेव का गुरु पूर्णिमा के पर्व पर पूजन अर्चन कर आरती कर शिष्यों के द्वारा आशीर्वाद लिया गया श्री श्री भगवान ने बताया कि आज हमारे आश्रम में चार शिष्यों ने ने ग्रस्त जीवन त्याग कर गुरु दीक्षा ली है जो हमेशा तब की और उनको ले जाएगी और धर्म व सनातन की रक्षा के लिए सभी संत समाज हमेशा अग्रसर रहती है गुरु पूर्णिमा के पर्व पर जय श्री दयालु आनंद आश्रम में बहुत दूर-दूर से भक्त पहुंचे जिन्होंने श्री श्री भगवान जी से अपना आशीर्वाद लिया और गुरु को भेंट अर्पण कर अपने गुरु का आशीर्वाद प्राप्त किया, गुरु पूर्णिमा के पर्व पर कार्यक्रम सुबह से ही प्रारंभ हो गया था जहां भक्तों का आना-

जाना शुरू हो गया शाम को भजन संध्या हुई गुरु जी का पूजन अर्चन किया गया अभिषेक किया गया उसके बाद पत्रकार वार्ता हुई जहां पर श्री श्री भगवान के कर कमलों द्वारा पत्रकारों का स्वागत सम्मान भी किया गया, दमोह शहर का यह प्रसिद्ध आश्रम है जहां पर कई चमत्कार आए दिन देखने को मिलते हैं बहुत ही प्राचीन हनुमान मंदिर है जहां पर सभी की मनोकामना पूर्ण होती है और गुरु पूर्णिमा के पर्व पर भक्तों का ताता आज के दिन यहां पर लगातार बना रहता है आश्रम में भंडारा भी चला,जहां पर भक्त निरंतर भंडारे मैं प्रसाद ग्रहण कर गुरु जी का आशीर्वाद ले रहे हैं कार्यक्रम में भजन संध्या भी रखी गई जिसमें डॉक्टर स्वाति गौर द्वारा व उनकी टीम द्वारा प्रस्तुति भी दी गई, जिससे सारे भक्ति भजन संध्या में भजन सुनकर झूम उठे.

सिन्दूरी के जंगल में बर्थडे पार्टी में शामिल होने के बहाने से बुलाया और दिया वारदात को अंज़ाम

बेटू चौबे सहित दो युवकों ने कर दी बेदम पीटाई, पुलिस ने किया मामला दर्ज

मोहम्मद मुनीर | सिटी चीफ |
शहडोल, जिला मुख्यालय में स्थित कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत सिन्दूरी के जंगल मे बर्थडे पार्टी में शामिल होने गए युवक के साथ मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि फरयादी रोहित मिश्रा पुत्र स्वर्गीय जगदीश प्रसाद मिश्रा उम्र 32 वर्ष निवासी पुरानी बस्ती वार्ड क्रमांक 28 ने थाने में आकर शिकायत दर्ज कराया है कि वह अपने दोस्त के बर्थडे पार्टी मनाने सिन्दूरी के जंगल गया हुआ था तभी वहां मौजूद संजय उर्फ बेटू चौबे, निशांत यादव पुत्र रामखेलावन यादव, पतन यादव पुत्र प्रदीप यादव सभी निवासी पुरानी बस्ती ने आपसी रंजिश में उसके साथ गाली गलौज देकर मारपीट कर बेइजती किया है। जिस पर पुलिस ने शिकायत पर तीनों युवकों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 352, 115/2 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है। जानकरों की माने तो पुरानी बस्ती के बदमाशों को इनदिनों पुलिस का ख़ौफ़ नहीं है जहां वह अपराध करने में पीछे नहीं हट रहें है। इसी के साथ आए दिन कुख्यात बदमाशों के द्वारा मारपीट की घटना को अंजाम दिया जा रहा है। सूत्रों की माने तो युवक के साथ मारपीट करने वाले बेटू चौबे के खिलाफ स्थानीय थाना में कई अपराध दर्ज हैं और वह आए दिन किसी न किसी घटना में संलिप्त रहता है लेकिन वह अपने आकाओं के संरक्षण में बच जाता है लेकिन समय रहते अगर पुलिस उस पर निगरानी रख उसके अब तक के किये

तमाम आपराधिक कार्यों की पड़ताल करे, तो संभावना यह भी है कि पुरानी बस्ती एवं आसपास इलाके में संचालित गतिविधियों का पर्दे के पीछे का मुख्य सरगना पुलिस के शिकंजे में होंगा, नागरिकों की मानें तो इलाके में चंद चिंदी चोरों ने आम नागरिकों का जीना दुश्वार कर रखा है। लेकिन स्थानीय बीट प्रभारी महेन्द्र पयासी का निजी स्वार्थ सिद्धि की खातिर आपराधिक गतिविधियों को लगातार छूट प्रदान करना कहीं ना कहीं अपराधियों को उपकृत करने का काम कर रहा है। वरना एक समय था जब आपराधिक गतिविधियों को अंज़ाम देने वाले लोगो का जिले से पलायन हो चला था।

कटनी रेल पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई

शराब की तस्करी कर रही महिला गिरफ्तार

सुनील यादव | सिटी चीफ |
कटनी, कटनी जिले की रेल पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कटनी जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर दो पर एक। महिला को शराब की तस्करी करते हुए गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। महिला रीवा की रहने वाली है और ट्रॉली बेग एवं पिट्ठू बैग में शराब रखकर बिहार ले जा रही थी, इसके पहले ही जीआरपी ने शराब जब्त करते हुए मामला दर्ज किया। जीआरपी थाना प्रभारी अरुणा वाहने ने बताया कि रेल पुलिस अधीक्षक शिमाला प्रसाद के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरी के मार्गदर्शन में जीआरपी द्वारा स्टेशन की चेकिंग के अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान प्लेटफार्म नम्बर 2 पर

एक महिला संदिग्ध अवस्था में मिली। उससे पूछताछ करने पर संतोषजनक उत्तर नहीं देने पर थाने लाकर उससे पूछताछ की गई और ट्रॉली बैग व पिट्ठू बैग की तलाशी ली गई, जिसमे शराब रखी हुई पाई गई। महिला से शराब ब्लांडर प्राइड 24 बोतल और ब्लैक डॉग 24 क्वाटर जब्त किया गया। जिसकी कीमत करीब 50 हजार रुपये आंकी गई है।

बाबा भैरवनाथ के दर्शन हेतु डूंगरी पर उमड़ा आस्था का सैलाब

हजार फीट ऊंचाई पर चढ़कर की पूजा

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ |

शाजापुर, गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में जिलेभर में विभिन्न सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए और इस दिन जहां भैरव मंदिरों में भेरू महाराज की सपरिवार पूजा की गई तो वहीं दूसरी तरफ कालेजों में गुरु-शिष्य परम्परा का निर्वहन किया गया। गुरु पूर्णिमा के मौके पर रविवार को स्थानीय बापू की कुटिया पर विगत पांच दिनों से आयोजित यज्ञ पूर्णाहुति के साथ संपन्न हुआ। इसीके साथ नगर के अति प्राचीन नित्यानंद आश्रम में गुरु बापजी की चरण पादुका की पूजा-अर्चना की गई और बापजी की प्रतिमा का अभिषेक कर महाआरती कर प्रसादी का वितरण किया गया। वहीं स्थानीय भैरव डूंगरी पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा और सैकड़ों सीढियां चढकर बच्चे, बूढ़े, महिला और पुरूषों ने भैरव बाबा की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष भैरव डूंगरी पर विराजित नगर कोतवाल के नाम से प्रसिद्ध भैरव बाबा की गुरु पूर्णिमा पर विशेष चोला चढ़ाकर पूजा की जाती है और इसी पुरानी परंपरा के चलते गुरु पूर्णिमा के दिन भैरव डूंगरी पर भक्तों का दिनभर तांता लगा रहा और भेरू बाबा को भक्तों ने प्रसाद के रूप में मदिरा का भोग लगाया। पूर्णिमा के मौके पर नगर के अन्य भैरव मंदिरों में भी विशेष चोला चढ़ाकर महाआरती की गई। इसीके साथ बापू की कुटिया पर आयोजित पांच दिवसीय पंचकुंडीय महायज्ञ का भी पूर्णाहुति के साथ समापन हुआ। महागुरु स्वरूप में सजे ओंकारेश्वर गुरु पूर्णिमा के मौके पर शहर के शिव मंदिरों में भी दर्शन-पूजन का दौर चलता रहा। इसी कड़ी में धानमंडी चौराहा स्थित ओंकारेश्वर महादेव का भात से मनोहारी श्रंगार किया गया। मंदिर पुजारी ओमप्रकाश गोस्वामी ने महादेव को गुरु पूर्णिमा के चलते महागुरु के स्वरूप में श्रंगारित किया जो भक्तों के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहा। रात के समय बाबा की महाआरती कर प्रसादी का वितरण किया गया।

ढायकी निवासी अंकित शर्मा कजाकिस्तान में पावर वेट लिफ्टिंग में भागीदारी कर सहारनपुर पहुंचे

अंकित शर्मा का किया गया भव्य स्वागत

गौरव सिंघल | सिटी चीफ |

सहारनपुर, सहारनपुर जनपद के ग्राम ढायकी निवासी अंकित शर्मा कजाकिस्तान में पावर वेट लिफ्टिंग में भागीदारी कर ट्रेन द्वारा आज सहारनपुर रेलवे स्टेशन पर पहुंचे। जहां पर उनका भव्य स्वागत किया गया। अंकित शर्मा का स्वागत करने के लिए मुख्य रूप से महानगर विधायक राजीव गुंबर, राहुल लखनपाल शर्मा , समाजसेवी भाजपा नेता अतुल पाराशर, अभिषेक कौशिक गंगोह, रविंद्र शर्मा गुरुजी, ब्राह्मण जागृत मंच के अध्यक्ष राजीव शर्मा, संदीप, शिवा शर्मा, अमित चौधरी, अनुज चौधरी, रविंद्र चौधरी, अनिल सिंह आदि लोग रेलवे स्टेशन पहुंचे। रेलवे स्टेशन से अंकित शर्मा को एक जुलूस के रूप में स्टेडियम में लाया गया जहां पर मंडल स्तर की पावर वेट लिफ्टिंग की कंपटीशन के दौरान पावर वेट लिफ्टिंग एसोसिएशन द्वारा अंकित शर्मा का भव्य स्वागत किया गया। तत्पश्चात अंकित शर्मा एक जुलूस के रूप में अंतरर्राष्ट्रीय खिलाड़ी गौरव कपिल के कोर्ट रोड स्थित फूड सप्लीमेंट जी द फिटनेस क्रिएटर प्रतिष्ठान पर पहुंचे। जहां पर समाज के अनेक लोग अतुल पाराशर, किशोर शर्मा, डॉक्टर अजय कपिल, दीपू चौहान, शिव शर्मा, नितिन छोकर, कपिल मोहड़ा, बालिस्टर, किशोर शर्मा, मुकेश गखड़, अंकुर, अंकित पंवार, जोगिंद्र आदि ने अंकित शर्मा का स्वागत किया। जुलूस के रूप में अंकित शर्मा का काफिला दिल्ली रोड अतुल पाराशर के फार्म हाउस पर आकर एक संगोष्ठी में बदल गया। जहां पर चुन्हेटी ग्राम, कंकरकुई, नलेहेडा गुर्जर, चंदनपुर आदि ग्राम के अनेक गणमान्य लोगों ने माल्यार्पण कर अंकित शर्मा का स्वागत किया।

कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने कहा

विकसित देश भारतीय संस्कृति और योग को अपना रहे है

गौरव सिंघल | सिटी चीफ

सहारनपुर | देवबंद, भारत की संस्कृति, आध्यात्म, दर्शन और योग देश की बहुमूल्य धरोहर है। विश्व में वह अतुलनीय है। हमारी परंपरा, पहचान, भाईचारे, सौहार्द सबके कल्याण और सबके सुखी और समृद्धि के रूप में स्थापित है। जिसका अनुसरण आज दुनिया के विकसित राष्ट्र भी कर रहे है।

यह बात आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के काबिना मंत्री अनिल कुमार ने देवबंद में सिद्धकुटी पर आयोजित भव्य समारोह में कही। उन्होंने कहा कि सहारनपुर जिला उनका गृह जिला है और मंत्री बनने के बाद देवबंद में उनका यह पहला कार्यक्रम है। उनकी कर्म और राजनीतिक भूमि मुजफ्फरनगर जिला है। जहां से वह तीसरी बार विधायक बने। अब रालोद प्रमुख जयंत चैधरी ने उन्हें मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी है। अनिल कुमार ने जलवायु परिवर्तन में हो रहे बदलावों पर गहरी चिंता जताई। बोले गर्मियों में ज्यादा गर्मी और सर्दियों में ज्यादा सर्दी और वर्षा में ज्यादा वर्षा कही न कही प्राकृतिक असंतुलन को दर्शाती है। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से अपील की कि वह एक-दो पौधा अवश्य लगाए। हरियाली बढने से इकोलोजी सिस्टम दुरूस्त होगा। उन्होंने कहा कि योग को सभी देश और जाति धर्म के लोग अपना रहे है। उससे शारीरिक और बौद्धिक विकास होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दोनो योग और पर्यावरण संवर्द्धन को प्रोत्साहित करते है। देशवासियों को भी इसे अपनाना चाहिए। अध्यक्षता स्वामी शांतनु जी महाराज ने की। बजरंग दल के विकास त्यागी ने अभिनंदन पत्र पढा और मंत्री अनिल कुमार को भेंट किया। अनिल कुमार ने कुटी पर निर्मित एक कक्ष पर लगाए शिलापट का लोकापर्ण किया और यज्ञ में पूर्ण आहुति दी। समारोह में वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र सिंघल, अश्विनी जैन, प्रमोद गुप्ता, जनेश्वर प्रसाद, मेनपाल भंडारी, रालोद महासचिव चौधरी धीर सिंह, जिलाध्यक्ष राव केसर सलीम, महानगर अध्यक्ष भूषण चौहान सतीश गिरधर आदि ने भी विचार व्यक्त किए। पुलिस उपाधीक्षक देवबंद अशोक सिसौदिया और एसएसआई अजय कुमार आदि ने काबिना मंत्री अनिल की अगवानी की। आयोजको की ओर से काबिना मंत्री अनिल कुमार का शॉल उढाकर अभिनंदन किया गया। उन्होंने भरोसा दिया कि वह सहारनपुर और देवबंद क्षेत्र का ध्यान मुजफ्फरनगर जिले की तरह की रखूंगा। समारोह में कई ग्राम प्रधान, आर्य समाज के पदाधिकारी और भजनोपदेशक आदि उपस्थित रहे।

जामिया कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत 422 पौधे रोपित किए गए

संस्था के सचिव डॉ. अख्तर सईद ने पेड़-पौधों की अहमियत बताते हुए सभी से कम से कम एक पौधा लगाने का आह्वान किया

गौरव सिंघल | सिटी चीफ

सहारनपुर | देवबंद, जामिया कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत 422 पौधे रोपित किए गए। संस्था के सचिव डॉ. अख्तर सईद ने पेड़-पौधों की अहमियत बताते हुए सभी से कम से कम एक पौधा लगाने का आह्वान किया। इस दौरान डॉ. रमेश प्रताप, वकील अहमद रुपा आदि मौजूद रहे। उधर महाराजा अग्रसेन महिला मंडल समिति ने पर्या वरण की रक्षा, देश की सुरक्षा के सूत्र को अपनाते हुए नगर की पंजाबी कॉलोनी स्थित पार्क में पौधरोपित किया। इस दौरान संयोजिका अर्पणा अग्रवाल, पूनम सिंघल, अरुणा अग्रवाल, अर्चना तायल आदि मौजूद रहीं। कपूरी गोविंदपुर स्थित मॉडल महाविद्यालय में अभियान के तहत 500 पौधरोपित किए गए। इस दौरान प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार, डॉ. लता शर्मा, डॉ. रेणू रानी, डॉ. मदनपाल आदि मौजूद रहे। आरके पब्लिक स्कूल में चैयरमेन राजेश चौहान व डॉ. कुलदीप राणा के निर्देशन में बच्चों ने स्कूल परिसर में पीपल, आम, जामुन, नीम के पौधे लगाए। प्रधानाचार्या डॉ. नीरज लता शर्मा व उप प्रधानाचार्या मोनिका कपूर मौजूद रही।

नगर सहित ग्रामीण अंचलों में हर्षोल्लास से मनाया गया गुरु पूर्णिमा पर्व

भक्त पहुंचे अपने अपने गुरु के द्वार लिया आशीर्वाद

खरसोद कला- गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर नगर सहित ग्रामीण अंचलों में आज गुरु पूर्णिमा का पर्व वैदिक परम्पराओं के तहत मनाया गया। शिष्यों ने अपने अपने गुरुओं की चरण वंदना कर भेंट देकर सम्मान किया। वहीं गुरुओं ने भी अपने शिष्य का तिलक कर आशीर्वाद दिया। कई मंदिरों, मारुति नंदन आश्रमों में इस अवसर पर भंडारे का भी आयोजन किया गया। भक्तों ने गुरुओं के निवास पर जाकर उनका आशीर्वाद लिया। इस पावन पर्व पर भक्तों ने अपने गुरु महाराज पंडित नागा राघवेंद्र दास जी को आश्रम पर पहुँचकर आरती उतारकर पुष्पमाला पहनाकर, पगड़ी धारण कराकर गुरु वंदना की। बही गुरु पूर्णिमा के महत्व पर बताया कि पौराणिक मान्यता के अनुसार गुरु पूर्णिमा पर महाभारत के रचयिता वेद व्यास जी का जन्म हुआ था। इस कारण से गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। वही हिंदू कैलेंडर के अनुसार यह त्योहार हर साल के आषाढ़ मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। गुरु पूर्णिमा का महत्व गुरु और शिष्य के पवित्र संबंध का प्रतीक है।

लायंस क्लब ऑफ पेटलावद ग्रेटर की चतुर्थ कार्यकाल की शपथ विधि संपन्न हुई

सेनेटरी पैड वेडिंग मशीन और 300 विद्यार्थीयों को कांपीयां वितरीत कर कार्यकाल का शुभारंभ।

पेटलावद। जीवन को जी भर के जियो, जी में भर कर न जिये इस परिकल्पना को सच करने के लिए अपने जीवन में सेवा गतिविधियों से जुड़ कर पीड़ित मानवता की सेवा में जीवन लगा कर जीवन के असली मकसद तक पहुंचे। लायंस क्लब ऑफ पेटलावद ग्रेटर के सभी सदस्य इसी परिकल्पना पर सेवागतिविधियां करते हुए जीवन का सही आनंद ले रहे है। उक्त बात लायंस क्लब पेटलावद ग्रेटर के चतुर्थ अधिष्ठापन समारोह ''अविरत'' में मुख्य अतिथि पीडीजी लायन रश्मि गुप्ता ने कहीं।उन्होंने मोटिवेशनल स्पीच के माध्यम से जीवन के सही तथ्यो सही,गलत और सत्य असत्य सहित जीवन में अपनाने लायक तीन तीन नियमों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए, अविरत शब्द की व्याख्या करते हुए, नियती को स्वीकार कर अतीत को दोष न देते हुए वर्तमान को स्वीकार करने का प्रेरणादायक उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा द्वीप प्रज्वलन और प्रोग्रेसिव स्कूल के बच्चों के द्वारा नृत्य नाटिका के माध्यम से सरस्वती वंदना और गणेश वंदना प्रस्तुत कर किया गया। स्वागत भाषण निवर्तमान अध्यक्ष लायन सुरेश प्रजापति ने देते हुए कहा कि क्लब ने गत वर्ष में जो भी गतिविधियां की है उसमें पूरे क्लब,नगर के सामाजिक कार्यकर्ताओं और संस्थाओं का सहयोग मिला है। जिसके चलते हमने बिते वर्ष में कई किर्तीमान स्थापित किये है। सचिवीय प्रतिवेदन लायन राजेश यादव ने प्रस्तुत किया, ध्वज वंदना लायन उषा प्रजापति ने प्रस्तुत की

शपथ दिलाई। शपथ अधिकारी के रूप में एफवीडीजी लायन अनिल खंडेलवाल ने लायंस क्लब पेटलावद ग्रेटर की चार साल की सफल यात्रा पर बधाई देते हुए पदाधिकारियों को शपथ दिलाई जिसमें अध्यक्ष लायन राजेश यादव, सचिव लायन जीवन भंडारी, कोषाध्यक्ष लायन वीरेंद्र भट्ट सहित पूरी कार्यकारणी को शपथ दिलाई। जिसके बाद सदस्यों में पीन का आदान प्रदान हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा नव निर्वाचित अध्यक्ष लायन राजेश यादव को सत्ता का प्रतीक गांग गेवल प्रदान कर पद पर आसीन किया।

पर्यावरण के प्रति विशेष ध्यान। अध्यक्षीय उद्बोधन में लायन राजेश यादव ने कहा कि हमारा मुख्य लक्ष्य पर्यावरण सरंक्षण का रहेगा। जिसके लिए हमने अपनी गतिविधि प्रारंभ कर दी है। इसके साथ ही पीड़ित मानवता के लिए हर संभव प्रयास किये जायेगें। जिसमें नगर की सामाजिक संस्थाओं और सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों का सहयोग लेंगे।

सेवा गतिविधि की गई। इस मौके पर अपने नवीन कार्यकाल का प्रारंभ सेवा गतिविधि के माध्यम से किया जिसमें माध्यमिक विद्यालय बावड़ी के विद्यार्थीयों को 300 कांपीयॉ, पेन वितरीत किये। इसके साथ ही माध्यमिक विद्यालय करड़ावद में सेनेटरी पेड वेंडिग मशीन प्रदान की गई।

इस मौके पर विशेष अतिथि आईएएस एसडीएम अनिल कुमार राठौर ने कहा कि नगर में लायंस क्लब पेटलावद ग्रेटर की जो सेवा गतिविधियां, पर्यावरण के प्रति सजगता, बाल मेला, गरबों का आयोजन आदि कार्यक्रम मिसाल बनते जा रहे है। हम हर सेवा कार्य में इनके साथ है।

नगर परिषद अध्यक्ष ललीता योगेश गामड़ ने कहा कि लायंस क्लब के सहयोग से नगर परिषद ने भी नगर में कई सेवा कार्य किये है। ऐसे ही आगे भी हम लगातार सेवा कार्यो में सहयोग प्रदान करेंगे। इस मौके पर एसवीडीजी लायन जयप्रकाश त्रिपाठी ने भी संबोधीत करते हुए सेवा कार्यो के महत्व पर प्रकाश डाला उन्होंने कई किस्सों के माध्यम से सेवा को सर्वश्रेष्ठ बताया। रीजन चेयरपर्सन लायन प्रबोध मोदी ने हर सेवा गतिविधि में सहयोग प्रदान करने का संकल्प लिया, और मिलजुल कर कार्य करने की भावना पर विशेष बल दिया। वहीं झोन चेयरपर्सन लायन रविराज पुरोहित ने कहा कि सेवा गतिविधि के माध्यम से लायंस क्लब पेटलावद ग्रेटर ने कई नये कीर्तिमान स्थापित किये है। जिससे चार वर्षो के सफर में ही क्लब ने डिस्ट्रीक्ट से लेकर इंटरनेशनल तक अपनी छाप छोड़ी है।

समाजसेवियों का सम्मान किया। इस मौके पर पूरे वर्ष लायंस क्लब पेटलावद ग्रेटर को सहयोग प्रदान करने वाले समाजसेवियों और संस्थाओं का सम्मान क्लब के द्वारा किया गया। जिसमें 36 समाजसेवियों का सम्मान किया गया। इसके साथ ही पूर्व अध्यक्ष लायन सुरेश प्रजापति के द्वारा अध्यक्षीय अवार्ड से क्लब के सदस्यों को सम्मानित किया गया। वहीं इस मौके पर क्लब के सदस्यों ने अपने सफलतम कार्यकाल पूर्ण करने पर लायन सुरेश प्रजापति को भी स्मृति चिन्ह भेंट किया। साथ ही अतिथियों को भी स्मृति चिन्ह भेंट किये गये।

महिला सदस्यों के द्वारा साफ थाली अभियान के तहत पत्रक का विमोचन किया गया। जिसमें थाली में झूठा न डालने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में विनोद पुरोहित, पारसमल कोटडिया, विनोद भंडारी, महेंद्र अग्रवाल,लायन चंद्रशेखर गुप्ता, नवीन वैरागी , डॉ सुरेश प्रजापति, राजेश सिंधराज , संजय चाणोदिया , कोमलसिंह सिंगार, प्रवीण पंवार, चेतन कटकानी, दीपक सोलंकी, दीलीप पाटीदार, रोहित मौन्नत, सुनिल राठौड, धर्मेंद्र वैरागी, गणेश जाट, रेखा शर्मा, प्रेरणा पुरोहित, उषा प्रजापति, जिज्ञासा भट्ट, अनिता प्रजापति, रेखा यादव, लक्ष्मी बैरागी, ममता पंवार, चंचला वैरागी, रिंकु राठौड, शिवानी सोलंकी, अमिता भंडारी, श्वेता कटकानी, आदि उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन लायन अनिल शर्मा और लायन मनीष पाटीदार ने किया। अंत में आभार प्रदर्शन लायन वीरेंद्र भट्ट ने माना।

जो बाइडेन रेस से बाहर, सामने आया डोनाल्ड ट्रंप का पहला रिएक्शन

इंटरनैशनल डेस्क ▪ अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रविवार को घोषणा की है कि वह आगामी चुनाव में राष्ट्रपति पद की दौड़ में नहीं उतरेंगे। इस घोषणा के साथ ही, उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का समर्थन किया है। बाइडेन के इस निर्णय के बाद, उनके प्रतिद्वंद्वी रिपब्लिकन पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है।

दिया ये बयान

डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट शेयर की हैं। उन्होंने अपनी खुशी जताते हुए कहा, कुटिल जो बाइडेन राष्ट्रपति पद की दौड़ के लिए योग्य नहीं थे, वे निश्चित रूप से सेवा के योग्य नहीं हैं - और न कभी थे! उन्होंने बाइडेन की निर्णय से संतुष्टि जाहिर की और कहा कि बाइडेन को कभी भी राष्ट्रपति पद के लिए चयन नहीं किया जाना चाहिए था। ट्रम्प ने कहा, बाइडेन संयुक्त राय अमेरिका के इतिहास में अब तक के सबसे खराब राष्ट्रपति हैं। ऐसा कोई राष्ट्रपति नहीं हुआ जिसने हमारे देश को इतना नुकसान पहुंचाया हो, चाहे वह ऊर्जा स्वतंत्रता हो या लाखों-करोड़ों अवैध अप्रवासी हों। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे बिडेन की घोषणा से हैरान हैं, तो उन्होंने कहा कि बाइडेन को पहले स्थान पर कभी नहीं होना चाहिए था। ट्रम्प ने आगे कहा, उन्हें अपने घर में ही रहना चाहिए था।

बता दें कि बाइडेन ने अपने निर्णय को साझा करते हुए कहा, यह मेरी पार्टी और देश के सर्वोत्तम हित में है। उनका इस चरण में अमेरिका में आगामी चुनावों से चार महीने पहले निर्णय आया है। राष्ट्रपति बाइडन वर्तमान में कोविड-19 से संक्रमित होने के बाद अपने डेलावेयर निवास पर आइसोलेशन में हैं। उन्होंने अपने समर्थकों को संदेश दिया है कि उन्होंने अपने कार्यकाल के शेष समय में राष्ट्रपति के रूप में अपने कर्तव्यों को पूरा करने के लिए, अपना ध्यान केंद्रित किया है।

अब सरकारी कर्मचारी भी RSS के कार्यक्रमों में होंगे शामिल

58 साल पुराना फैसला पलटा कांग्रेस ने साधा निशाना

नई दिल्ली: कांग्रेस ने पिछले सप्ताह जारी एक कथित आधिकारिक आदेश का हवाला देते हुए रविवार को दावा किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधियों में सरकारी कर्मचारियों के भाग लेने पर लगा ''प्रतिबंध हटा लिया गया है। कांग्रेस नेताओं द्वारा 'एक्स' पर पोस्ट किए गए कथित आधिकारिक आदेश की सत्यता का फिलहाल पता नहीं चल सका है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने भी आदेश का स्क्रीनशॉट साझा किया और कहा कि 58 साल पहले जारी एक ''असंवैधानिक निर्देश को नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने वापस ले लिया है। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय द्वारा नौ जुलाई को जारी एक कार्यालय ज्ञापन साझा किया, जो आरएसएस की गतिविधियों में सरकारी कर्मचारियों की भागीदारी से संबंधित है। उक्त आदेश में कहा गया है, ''उपर्युक्त निर्देशों की समीक्षा की गई है और यह निर्णय लिया गया है कि 30 नवंबर 1966, 25 जुलाई 1970 और 28 अक्टूबर 1980 के संबंधित कार्यालय ज्ञापनों से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का उल्लेख हटा दिया जाए। आदेश की तस्वीर के साथ एक पोस्ट में रमेश ने कहा, ''फरवरी 1948 में गांधीजी की हत्या के बाद सरदार पटेल ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद अच्छे आचरण के आश्वासन पर प्रतिबंध को हटाया गया। इसके बाद भी आरएसएस ने नागपुर में कभी तिरंगा नहीं फहराया। उन्होंने पोस्ट में कहा, ''1966 में आरएसएस की गतिविधियों में भाग लेने वाले सरकारी कर्मचारियों पर प्रतिबंध लगाया गया था और यह सही निर्णय भी था। यह 1966 में प्रतिबंध लगाने के लिए जारी किया गया आधिकारिक आदेश है। रमेश ने कहा, ''चार जून 2024 के बाद स्वयंभू नॉन बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री और आरएसएस के बीच संबंधों में कड़वाहट आई है। नौ जुलाई 2024 को 58 साल का प्रतिबंध हटा दिया गया जो अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान भी लागू था। रमेश ने कहा, ''मेरा मानना है कि नौकरशाही अब निक्कर में भी आ सकती है। कांग्रेस नेता ने यह बात आरएसएस की खाकी निक्कर वाली पोशाक की ओर इशारा करते हुए कही, जिसे 2016 में भूरे रंग की पतलून से बदल दिया गया। नौ जुलाई के आदेश को टैग करते हुए भाजपा नेता अमित मालवीय ने कहा, ''58 साल पहले 1966 में जारी असंवैधानिक आदेश, जिसमें सरकारी कर्मचारियों के आरएसएस की गतिविधियों में भाग लेने पर प्रतिबंध लगाया गया था, मोदी सरकार द्वारा वापस ले लिया गया है। भाजपा नेता ने कहा कि मूल आदेश को पहले ही पारित नहीं किया जाना चाहिए था।

भारत में बुजुर्गों की आबादी दोगुनी होने की संभावना

नई दिल्ली▪ यूनाइटेड नेशंस पॉपुलेशन फंड इंडिया की प्रमुख एंड्रिया वोजनार ने एक चिंताजनक अनुमान दिया है कि भारत की बड़ी आयुवर्गीय आबादी 2050 तक दोगुनी हो सकती है। उन्होंने इस संकेत में दिखाया कि 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों की संख्या 34 करोड़ 60 लाख तक पहुंच सकती है। इस परिस्थिति में, उन्होंने जोर दिया कि इस वृद्धावस्था तक पहुंचने से पहले ही देश को स्वास्थ्य सेवाओं, आवास और पेंशन के क्षेत्र में अधिक निवेश की आवश्यकता है। वोजनार ने इस बात का भी जिक्र किया कि भारत में युवा आबादी भी काफी प्रचुर है और 10 से 19 वर्ष की आयु समूह में 25 करोड़ 20 लाख लोग हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने बताया कि 2050 तक भारत में 50 प्रतिशत आबादी शहरों में रहने वाली होगी, जिसके लिए स्मार्ट शहरों को विकास की आवश्यकता है। वे इसे महत्वपूर्ण मानते हैं कि झुग्गी बस्तियों के विकास, वायु प्रदूषण के साथ सामर्थ्यपूर्ण व्यवस्थाएं और किफायती आवास इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण हैं। वोजनार ने संदेश दिया कि विशेष रूप से अकेली रहने वाली और प्रवासी महिलाओं को समझने और समर्थन की जरूरत है, जो अपनी समस्याओं से निपटने के लिए आगे बढ़ने के लिए विशेष चुनौतियों का सामना करती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जलवायु परिवर्तन से भारतीय जनसंख्या की प्रजनन क्षमता पर भी प्रभाव पड़ सकता है, जिससे गर्भधारण करने में परेशानियां बढ़ सकती हैं। इन मुद्दों का समाधान लैंगिक समानता और समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं।

बुशरा बीबी का आरोप- जेल में इमरान खान की जान को खतरा, अमानवीय हालात में रखा

Islamabad▪ जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी ने रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद अपने पति की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए आरोप लगाया कि उन्हें अमानवीय परिस्थितियों में रखा गया है तथा खाने के लिए दूषित भोजन दिया जाता है। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को जेल में संवाददाताओं से अनौपचारिक बातचीत में बुशरा ने अपनी जान के लिए भी खतरा बताया। बुशरा के अनुसार, उन पिछली घटनाओं के मद्देनजर खान का जीवन खतरे में है जिनमें उन्हें कथित तौर पर जहर दिया गया था और गोली मारी गई। उन्होंने कहा कि इसकी जांच करने के उनके कानूनी अनुरोध को अदालत ने अभी तक समाधान नहीं किया है। जेल की स्थितियों के बारे में 49 वर्षीय बुशरा ने कहा कि 71 वर्षीय खान को गंदे हालात में रखा गया है और खाने के लिए दूषित भोजन दिया जाता है। उन्होंने कहा कि अटक जेल में मुलाकात के दौरान खान कमजोर दिखाई दे रहे थे और उन्हें रात भर अपने बालों से कीड़े निकालने पड़े। बुशरा ने दोषी अपराधियों की तुलना में राजनीतिक कैदियों के साथ बुरे व्यवहार की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि अन्य कैदियों के साथ अच्छा व्यवहार किया जाता है जबकि खान को बुनियादी सुविधाओं के अभाव में संघर्ष करना पड़ता है। पिछले साल अगस्त में भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तारी के बाद से खान रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अडियाला जेल में बंद हैं और उन पर 200 से अधिक मामले दर्ज हैं। इन मामलों में से कुछ में उन्हें दोषी ठहराया गया है।

नीट-यूजी परीक्षा रद्द करने की याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में आज होगी सुनवाई

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट सोमवार को विवादों से घिरी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2024 से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। यह परीक्षा पांच मई को आयोजित की गई थी। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने शनिवार को मेडिकल प्रवेश परीक्षा के शहर और केंद्रवार परिणाम जारी किए थे। इसमें पेपर लीक और असामान्य अंक मिलने के आरोप हैं। शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर 22 जुलाई को अपलोड की गई वाद सूची के अनुसार मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ 40 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। इनमें एनटीए द्वारा दायर याचिकाएं भी शामिल हैं। उसकी याचिकाओं में मुकदमों की अधिकता से बचने के लिए नीट-यूजी विवाद पर विभिन्न उच्च न्यायालयों में उसके खिलाफ लंबित मामलों को उच्चतम न्यायालय में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया गया है। एनटीए द्वारा जारी आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं से कथित तौर पर लाभान्वित होने वाले उम्मीदवारों ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। हालांकि कुछ केंद्रों पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों की संख्या अधिक थी। यह डेटा 4,750 केंद्रों के 32 लाख से अधिक उम्मीदवारों का था। सुप्रीम कोर्ट इसमें कथित अनियमितताओं को लेकर कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है और उसी के निर्देश पर डेटा जारी किया गया था। लाखों अभ्यर्थी परीक्षा पर न्यायालय के अंतिम फैसले का इंतजार कर रहे हैं। जांच के दायरे में आए केंद्रों के अभ्यर्थियों का प्रदर्शन तुलनात्मक रूप से काफी खराब था। शीर्ष अदालत ने 11 जुलाई को परीक्षा रद्द करने, दोबारा परीक्षा कराने और नीट-यूजी 2024 के आयोजन में कथित गड़बड़ी की जांच की मांग वाली याचिकाओं सहित अन्य याचिकाओं पर सुनवाई 18 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी थी, क्योंकि कुछ पक्षों को केंद्र और एनटीए के जवाब अभी तक नहीं मिले हैं। पीठ ने कहा कि उसे जांच में हुई प्रगति पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से स्थिति रिपोर्ट प्राप्त हुई है। शीर्ष अदालत ने आठ जुलाई को याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा था कि नीट-यूजी 2024 की शुचिता का उल्लंघन किया गया है।

क्या कनाडा से वतन वापसी करेंगे भारतीय, बेरोजगारी दर जून में 12.6 फीसदी तक पहुंची!

नेशनल डेस्क▪ कनाडा में विदेशियों की संख्या कम करने के प्रयासों के बाद यह कहा जा रहा है कि भारतीय अब वतन वापसी करने लगे हैं। इसकी एक वजह यह भी बताई जा रही है कि कनाडा गए कई भारतीयों को इस समय रिकॉर्ड बेरोजगारी की मार झेलनी पड़ रही है। कनाडा में हाल ही में बसे आप्रवासियों के लिए बेरोजगारी दर जून में 12.6% थी। यह पिछले 10 वर्षों का सबसे खराब बेरोजगारी स्तर है। कनाडा में स्थायी नागरिकता हासिल करने वालों में सबसे यादा लोग भारतीय हैं। इसलिए भारतीयों पर ही इस बेरोजगारी की मार सबसे यादा पड़ने की संभावना है। हालांकि मामले से जुड़े जानकारों का कहना है कि पिछले आठ महीनों में कनाडा की जस्टिन ट्रूडो की सरकार ने भारत पर लगाए गए प्रतिबंधों से उनकी समस्या हल नहीं होगी और कनाडा से रिवर्स माइग्रेशन अभी दूर की बात है।

भारतीयों के प्रभावित होने की कितनी संभावना

कनाडा की राष्ट्रीय सांख्यिकी एजेंसी स्टैटिस्टिक कैनेडा के अनुसार 12.6% की बेरोजगारी दर 2023 से चार प्रतिशत कम है। कनाडाई मूल के लोगों में बेरोजगारी 5.5% है। साल 2023 में यह 5% थी। ग्लोब एंड मेल की रिपोर्ट के अनुसार, नए आंकड़े बताते हैं कि आप्रवासियों के बीच बेरोजगारी दर 2014 के बाद से सबसे यादा है। आप्रवासियों में बढ़ती बेरोजगारी से भारतीयों के सबसे यादा प्रभावित होने की संभावना इसलिए है क्योंकि हाल के वर्षों में कनाडा की सबसे यादा नागरिकता भारतीयों को ही मिली है। साल 2023 में कनाडा ने 4,71, 810 लोगों को स्थायी नागरिकता दी। इनमें से 1,39,785 या लगभग 30% भारतीय थे। इमिग्रेशन, रेफ्यूजीज् एंड सिटीजनशिप कैनेडा के आंकड़ों के अनुसार, 2019 के बाद से कनाडा आए 18,41,250 नए स्थायी निवासियों में से 5,14,435 भारतीय थे। स्टैटिस्टिक कैनेडा ने एक हालिया रिपोर्ट में खुलासा किया कि जून 2024 में 14 लाख बेरोजगार लोग थे, जो पिछले महीने से 42,000 (+3.1%) यादा हैं। कनाडा में कंपनियां उच्च ब्याज दरों से जूझ रही हैं। इसी वजह से वे पिछले दो सालों में नियुक्तियां करने में झिझक रही हैं। आप्रवासियों की भारी आमद के कारण कनाडा की जनसंख्या में वृद्धि भी हुई है।

देश में अवसर होंगे तो ही लौटेंगे भारतीय

एक रिपोर्ट के मुताबिक हाल ही में ब्रैम्पटन में कनाडाई पंजाबी सांस्कृतिक सोसायटी के एक सेमिनार में पंजाबी विश्वविद्यालय के रिटायर प्रोफेसर कुलदीप सिंह ने कहा कि कनाडा में छात्रों की संख्या में कमी आई है लेकिन रिवर्स माइग्रेशन तभी संभव है जब भारत की सामाजिक आर्थिक स्थिति कनाडा से बेहतर होगी। इस स्थिति की फिलहाल कोई संभावना बनती नहीं दिख रही है। कुलदीप सिंह ने कहा कि कोई भी शख्स तभी वापस लौटने की कल्पना कर सकता है, जब उसे अपने देश में यादा असवरों दिखे। यह अभी भी एक कल्पना है, वास्तविकता से बहुत दूर है। विश्व विकास रिपोर्ट का हवाला देते हुए प्रोफेसर सिंह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय छात्रों के रूप में दुनियाभर में जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या 2000 में 2 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 41 प्रतिशत हो गई है। कनाडाई आव्रजन परामर्श के आंकड़े बताते हैं कि भारतीय छात्रों के कनाडा प्रवास में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। केवल 2019 में 198,235 छात्र भारत से कनाडा आए और इसमें से 71 प्रतिशत अनुपात पंजाब से थे।

पंजाब से पलायन का कारण कृषि संकट

कुलदीप सिंह ने कहा कि पंजाब भारत के उन्नत रायों में से एक होने के बावजूद युवाओं को रोजगार नहीं दे पा रहा है। पंजाब से पलायन के प्रमुख कारण कृषि संकट, औद्योगीकरण की धीमी गति, भारतीय शिक्षा प्रणाली का लुप्त होना, रोजगार के अवसरों में कमी है, जिसके कारण पंजाबी युवा अपनी शिक्षा, रोजगार और रहने की सुविधाओं के लिए विदेशों में पलायन करने को मजबूर हैं। इमिग्रेशन रिफ्यूजीज एंड सिटिजनशिप कनाडा (आई.आर.सी.सी.) के आंकड़ों के अनुसार,अंतरराष्ट्रीय छात्रों की आबादी 2014 में 3.26 लाख से बढ़कर 2022 में 8 लाख से अधिक हो गई। दिसंबर 2023 के अंत तक देश में स्टडी परमिट धारकों की संख्या दस लाख को पार कर गई थी, इनमें से आधे से अधिक ओंटारियो में हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569